दी नेक्स्ट पोस्ट

साप्ताहिक

7

3 बर्ड फ्लू से अलर्ट...एक हफ्ते बंद रहेगा चिड़ियाघर जांच के लिए 105 लोगों का लिया गया सैंपल

5 खुदकुशी से पहले अमित ने रिश्तेदार को व्हाट्सएप काल कर बताई थी ये बात

8 कप्तान नहीं बने बुमराह तो टीम में क्या होगी उनकी भूमिका

UPHIN51019 | वर्षः 02, अंकः 47 | पृष्ठ संख्याः 8 | मूल्यः 1.00 रू. | सोमवार 19 मई,2025

शशि थरूर को मोदी सरकार ने सौंपी जिम्मेदारी अलग–अलग देशों का दौरा करेगा भारतीय डेलिगेशन

दुनिया के सामने PAK की खुलेगी पोल

वैश्विक मंच पर बेनकाब होगा पाक, आतंकिस्तान की हर करतूत बताने के लिए सरकार ने बनाया प्लान, शशि थरूर को मिला अहम जिम्मा

नई दिल्ली। पाकिस्तान को विश्व स्तर पर बेनकाब करने के लिए भारत सरकार ने एक कूटनीतिक योजना बनाई है, जिसके तहत भारत की ओर से बहुदलीय सांसदों का एक प्रतिनिधिमंडल कई देशों का दौरा करेगा।

पाकिस्तान होगा बेनकाब

पाकिस्तान द्वारा आतंकवाद के समर्थन को उजागर करने के लिए भारत का ये डेलिगेशन अलग–अलग देशों में जाकर अपनी बात रखेंगे और भारत के ऑपरेशन सिंदूर की जानकारी देंगे। ऑपरेशन सिंदूर और सीमा पार आतंकवाद के खिलाफ भारत की निरंतर लड़ाई के संदर्भ में, सात सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल इस महीने के अंत में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के सदस्यों सहित प्रमुख साझेदार देशों का दौरा करने वाले हैं।

लिस्ट में कौन–कौन हैं शामिल?

इस लिस्ट में कांग्रेस, एनसीपी (शरद पवार), जेडीयू और कई दलों के सांसदों को शामिल किया है। निम्नलिखित संसद सदस्य सात प्रतिनिधिमंडलों का नेतृत्व करेंगे–

मंत्रालय ने बताया कि यह प्रतिनिधिमंडल भारत द्वारा आतंकवाद का मुकाबला करने के लिए भारत की राष्ट्रीय सहमति और दृढ़ संकल्प को प्रदर्शित करेंगे।

मंत्रालय ने कहा, वे आतंकवाद के खिलाफ भारत के जीरो टॉलरेंस वाली नीति को दुनिया के सामने ले जाएंगे।

शशि थरूर, कांग्रेस
रविशंकर प्रसाद, बीजेपी
संजय कुमार झा, जदयू
बैजयंत पांडा, बीजेपी
कनिमोझी करुणानिधि, डीएमके
सुप्रिया सुले, एनसीपी
श्रीकांत एकनाथ शिंदे, शिवसेना
दुनिया को पता चलेगी भारत की जीरो टालरेंस नीति

केंद्र की मोदी सरकार ने पाकिस्तान को विश्व स्तर पर बेनकाब करने के लिए एक कूटनीतिक योजना तैयार की है। भारत की तरफ से कई सांसदों के प्रतिनिधिमंडल अलग–अलग प्रमुख साझेदार देशों का दौरा करेंगे और अश्वपरेशन सिंदूर और पाकिस्तान द्वारा आतंकवादियों को दिए जा रहे समर्थन को लेकर विश्व पटल पर अपनी बात रखेंगे। इस लिस्ट में कांग्रेस सांसद शशि थरूर का भी नाम शामिल है।

गोरखपुर चिड़ियाघर का नवाब था पटौदी

दहाड़ से भय में आ जाते थे वन्यजीव

इटावा से लाया गया था बब्बर शेर, बीमार होने पर भेजा गया था कानपुर

इसके साथ लाई गई मरियम की वर्ष 2024 में बीमारी से हुई थी मौत

संवाददाता, गोरखपुर। चिड़ियाघर के शुभारंभ अवसर पर एक मार्च, 2021 को बब्बर शेर पटौदी को गोरखपुर लाया गया था। उस समय वह चिड़ियाघर का नवाब था, उसकी दहाड़ सुनकर बाड़े में रह रहे वन्यजीव भयग्रस्त हो जाते थे। वहीं, दर्शकों के लिए उसकी दहाड़ आकर्षण का केंद्र थी।

लोग उसका वीडियो बनाकर इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित करते थे। पटौदी ने तीन वर्ष सात महीना बाड़े में रहकर दर्शकों का मनोरंजन किया। छह महीने से उसकी तबीयत खराब होने पर चिड़ियाघर प्रशासन ने उसे बाड़े से हटाकर पशु अस्पताल के पास क्राल में रख दिया था। इसके साथ लाई गई मरियम की 16 वर्ष की उम्र में वर्ष 2024 में मृत्यु हो गई थी। चिड़ियाघर में लगातार हो रही मौतों के बीच जब बाघिन शक्ति की बर्ड फ्लू से मृत्यु की पुष्टि हुई तो पटौदी को 11 मई को गोरखपुर चिड़ियाघर से कानपुर भेज दिया गया। उसके लिवर और शरीर के अन्य अंगों में संक्रमण हो गया था। चिकित्सकों की टीम उसका उपचार कर रही थी।

बदमाशों का पीछा करते करंट की चपेट में आए सिपाही की मौत

चौराहे पर फायरिंग कर भाग रहे बदमाशों का पीछा कर रही थी पीआरवी

बदमाशों की कार खंभे में टकराकर नहर में गिरी, मृत सिपाही बागपत निवासी

बिजनौर में बदमाशों द्वारा फायरिंग करने के बाद भागते समय पुलिस ने उनका पीछा किया। इस दौरान बदमाशों की कार खंभे से टकराकर नहर में गिर गई। पीछा करते हुए दो पुलिसकर्मी खंभे से टूटे तार की चपेट में आ गए। सिपाही मनोज कुमार की मौत हो गई जबकि एक घायल बदमाश को पकड़ लिया गया। अन्य बदमाशों की तलाश जारी है।

संवाददाता, बिजनौर। चौराहे पर फायरिंग कर भाग रहे कार सवार चार बदमाशों की कार अनियंत्रित होकर खंभे से टकराकर नहर में गिर गई। बदमाशों को पकड़ने के दौरान दो सिपाही खंभे से टूटकर गिरे तार से टकरा गए और करंट की चपेट में आने से गंभीर घायल हो गए। दोनों को अस्पताल ले जाया गया जहां बागपत के हेवा गांव निवासी सिपाही मनोज कुमार की मौत हो गई।

कार से घायल एक बदमाश को पकड़ लिया गया है। तीन की तलाश में देर रात तक कांबिग जारी थी। शुक्रवार रात करीब नौ बजे शहर कोतवाली क्षेत्र में नगीना रोड के चक्कर चौराहे पर स्विफ्ट कार सवार चार बदमाशों ने छह–सात राउंड फायरिंग कर दी। इसके बाद नशे में धुत बदमाश नगीना रोड पर भागने लगे। चौराहे पर तैनात यूपी 112 पीआरवी ने बदमाशों का पीछा किया।

कार से निकलकर भागने लगे बदमाश

बदमाश सालमाबाद नहर पटरी पर मुड़ गए। कुछ दूर चलने पर बदमाशों की कार के सामने पुलिस की एक और गाड़ी आ गई। इस पर बदमाशों ने कार दौड़ा दी। अनियंत्रित कार पटरी के किराने बिजली के खंभे से टकराकर नहर में गिर गई। कार से निकलकर बदमाश भागने लगे।

गोरखपुर खाद्य सुरक्षा विभाग का मिलावटखोरों पर शिकंजा

खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने एक साल में लिए 550 नमूने बार–बार फेल रहे हो रहे खोवा व पनीर के नमूने, विभाग सतर्क

संवाददाता, गोरखपुर। *मिलावटखोर अधिक मुनाफे के लिए नागरिकों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम जब सक्रिय होती है तो खोवा व पनीर छोड़कर मिलावटखोर भाग जाते हैं। खोवा–पनीर के नमूने बार–बार फेल हो रहे हैं। मिठाइयों में मिलावट के मामले सबसे ज्यादा पाए जा रहे हैं। एक साल में खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने लगभग 550 नमूने लिए और 450 मुकदमे दर्ज कराए।*

अब विभाग मिलावटखोरों की हिस्ट्री सीट खोलने की तैयारी कर रहा है। ताकि ये हमेशा विभाग की नजर में रहें। खाद्य सुरक्षा विभाग मिलावटखोरों के खिलाफ सघन अभियान चला रहा है। लगभग रोज किसी ने किसी फैक्ट्री, दुकान पर छापा पड़ रहा है। नमूने लेकर प्रयोगशाला में जांच के लिए भेजे जा रहे हैं।

मिठाई, खोवा, पनीर, सूजी, मैदा, बेसन, घी, मसाला, तेल, नमकीन, कुट्टू के आटे आदि में मिलावट की पुष्टि हो चुकी है। चायपत्ती व काली मिर्च में भी मिलावट के मामले सामने आए हैं। फलों को पकाने में रसायन का प्रयोग किया जा रहा है। इसका सीधा असर जन स्वास्थ्य पर पड़ रहा है। अवैध ढंग से मानकविहीन पानी की फैक्ट्री संचालित हो रही है।

आइसक्रीम में सैक्रीन की मिलावट की विभाग ने आशंका जाहिर की है। इनके नमूने लिए जा रहे हैं। अंतरजनपदीय टीमें भी आकर यहां छापा मार रही हैं। पिछले दिनों पादरी बाजार में एक पनीर की दुकान पर अंतरजनपदीय टीम ने ही छापा मारा था।

अवैध ढंग से नशीली दवा का कारोबार करने वाला जेल गया

हाल में आई दिल्ली क्राइम ब्रांच व नारकोटिक्स विभाग की टीम ने शहर से एक ऐसे दवा व्यापारी को गिरफ्तार किया जो काफी समय से अवैध ढंग से नशीली दवाओं का कारोबार कर रहा था। उसकी कोई दुकान नहीं थी, उसके पास केवल लाइसेंस था। ड्रग विभाग को झांसा देकर उसने भालोटिया मार्केट में दूसरे की दुकान पर लाइसेंस बनवा लिया था। पूरा कारोबार हवा में हो रहा था। उसकी भेजी नशीली दवाएं जब दिल्ली में पकड़ी गईं तो इस व्यापारी की पोल खुली। अब व्यापारी जेल में है।

बाढ़ से बचाव की सारी परियोजनाएं 15 जून तक कराएं पूरी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग की समीक्षा में 15 जून से पहले बाढ़ से बचाव की सभी परियोजनाएं पूरी करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि प्रत्येक परियोजना गुणवत्ता के साथ समय से पूरी की जाए ताकि मानसून के दौरान बाढ़ के प्रभाव को न्यूनतम किया जा सके। बाढ़ बचाव की दीर्घकालिक रणनीति में नदी ड्रेजिंग एवं चौनलाइजेशन ही सबसे प्रभावी समाधान है।

मुख्यमंत्री आवास में आयोजित बैठक में योगी ने कहा कि वर्ष 2018 से 2025 के बीच 60 नदियों की ड्रेजिंग कराई गई जिससे 4.07 लाख हेक्टेयर कृषि भूमि को लाभ मिला है और 23 लाख से अधिक जनसंख्या को राहत मिली है। आठ वर्षों में 1665 बाढ़ परियोजनाएं पूरी हुई हैं, जिससे 40.72 लाख हेक्टेयर क्षेत्रफल को सुरक्षा प्राप्त हुई और 319.14 लाख की आबादी लाभांवित हुई है। उन्होंने नदी पुनरोद्धार अभियान को युद्धस्तर पर चलाने के निर्देश दिए हैं।

सम्पादकीय

दो दिन में दो भाषण फिर भी कुछ साफ नहीं

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को रात आठ बजे राष्ट्र को संबोधित किया। वीर रस से सराबोर इस संबोधन में कई ऐसे मुद्दे हैं

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को रात आठ बजे राष्ट्र को संबोधित किया। वीर रस से सराबोर इस संबोधन में कई ऐसे मुद्दे हैं, जिन पर नए सवाल खड़े हो गए। इन सवालों को विपक्ष ने पूछना शुरु किया ही था कि मंगलवार को सुबह पहले नरेन्द्र मोदी अचानक पंजाब के आदमपुर एयरबेस पहुंच गए और फिर दोपहर तक उनका एक और वीर रस में पगा हुआ भाषण सामने आ गया। शनिवार रात शाहबाज शरीफ ने भी इसी तरह का भाषण पाकिस्तान के लोगों को सुनाया था। इन भाषणों को सुनकर न जाने क्यों चाबी वाले खिलौनों का ख्याल आता है, जिसमें चाबी भर दो तो वह तब तक चलता रहता है, जब तक चाबी पूरी तरह से उल्टी न घूम जाए। चाबी भरने वाले हाथ दिखाई नहीं देते, केवल खिलौने चलते दिखते हैं।

खैर..मंगलवार सैनिकों के बीच पहुंचकर श्री मोदी ने अच्छा ही किया। जो लोग जान हथेली पर लेकर देश की रक्षा करते हैं, उनका हौसला बढ़ाने के लिए जो किया जाए, सो कम है। आदमपुर एयरबेस से जो तस्वीरें सामने आईं, उनमें अनकहा संदेश भी पाकिस्तान के लिए था। इनमें मोदी के साथ पार्श्व में मिग–29 और एस–400 भी दिखाई दिए। जबकि पाकिस्तान का दावा था कि उसने आदमपुर में एस–400 वायुरक्षा प्रणाली को नष्ट कर दिया है। यहां सैनिकों को संबोधित करते हुए भी श्री मोदी ने पाकिस्तान को कहा कि निर्दोषों का खून बहाने का एक ही अंजाम है, महाविनाश। अभी सैन्य कार्रवाई सिर्फ स्थगित की है, फिर से दुस्साहस किया तो मुंहतोड़ जवाब देंगे। कुछ ऐसी ही बात सोमवार के संबोधन में भी थी।

तब श्री मोदी ने कहा था कि ऑपरेशन सिंदूर के तहत भारत का सैन्य ऑपरेशन अभी सिफ स्थगित हुआ है. आने वाले दिनों में पाकिस्तान के हर कदम को इस कसौटी पर मापा जाएगा कि वो क्या रवैया अपनाता है। अब सवाल उठता है कि अगर अब भी वार–प्रतिवार की आशंका है, तो फिर युद्धविराम की बात कहां से आई, क्यों श्री मोदी इसका खुलकर खंडन नहीं कर रहे। क्या ये समय शाब्दिक जाल फैलाने का है कि सैन्य आपरेशन अभी स्थगित हुआ है। इसका क्या मतलब है, प्रधानमंत्री साफ–साफ बतलाएं कि अभी हम युद्ध में हैं या नहीं हैं। हम पाकिस्तान के अगले कदम या उसके दुस्साहस का इंतजार क्यों कर रहे हैं। क्या पहलगाम के बाद भी हमारे जो जवान शहीद हुए, बेकसूर नागरिक मारे गए, उनकी जान की कोई कीमत नहीं है। अगर पाकिस्तान की तरफ से भी युद्धविराम की घोषणा के बाद हमारे सीमांत इलाकों में ड्रोन मंडराते हुए देखे गए हैं, तो क्या इसे पाकिस्तान का दुस्साहस ही नहीं समझा जाना चाहिए। इस संकट की घड़ी में भी अगर प्रधानमंत्री साफगोई से सारी बातें नहीं करेंगे, तो फिर कब करेंगे।

जब नोटबंदी या लॉकडाउन का ऐलान किया गया था, तब भी कई गोल–मोल बातें और दावे सरकार ने किए थे। उन पर भी विपक्ष ने सवाल उठाए लेकिन किसी का जवाब देना जरूरी नहीं समझा गया। चलिए वो देश के आंतरिक मामले थे और जनता ने कुछ अच्छा होने की उम्मीद में तब के कष्टों को सहन कर लिया। लेकिन इस बार तो आम जनता की सुरक्षा और देश की प्रतिष्ठा दोनों दांव पर लगी है।

अमेरिका के राष्ट्रपति भारत के संदर्भ में मनमाने बयान दे रहे हैं। युद्ध विराम के ऐलान के बाद नए बयान में डोनाल्ड ट्रंप का कहना है कि दोनों देशों ने अमेरिका के साथ व्यापार की वजह से ये संघर्ष विराम किया है। पाकिस्तान अपनी जाने कि उसने किस दबाव में संघर्ष विराम मंजूर किया, लेकिन भारत इसके लिए राजी क्यों हुआ, ये बात नरेन्द्र मोदी को अपने संबोधन में बतानी चाहिए थी। क्या ट्रंप अब भारत के आधिकारिक प्रवक्ता हो गए हैं कि वो जो बयान देंगे, दुनिया उसे भारत का बयान मानेगी, क्योंकि ट्रंप की किसी बात को अब तक श्री मोदी ने या उनकी सरकार ने खारिज नहीं किया है।

मोदी का मध्यावधि स्वप्न भंग हो गया!

आतंकवादियों के ठिकानों पर सैन्य कार्रवाई करने का फैसला करने के बाद भी इस बारे में उन्होंने विपक्ष को विश्वास में नहीं लिया। सैन्य कार्रवाई शुरू होने के बाद सर्वदलीय बैठक बुलाई गई, लेकिन प्रधानमंत्री उसमें भी शामिल नहीं हुए, जबकि वे राजधानी में ही मौजूद थे जिस समय सर्वदलीय बैठक चल रही थी। प्रधानमंत्री बनने से पहले नरेन्द्र मोदी ने कहा था, श्मैं गुजराती हूं, व्यापार मेरे खून में है।श फिर प्रधानमंत्री बनने के बाद कोरोना महामारी के दौरान उन्होंने एक और मुहावरा उछाला– श्आपदा में अवसर!श मोदीजी द्वारा उछाले गए ये दो मुहावरे उनके द्वारा अब तक उछाले गए तमाम मुहावरों में सर्वाधिक अश्लील मुहावरे साबित हुए हैं। फिर भी नरेन्द्र मोदी के लिए तो मानो ये दोनों मुहावरे उनकी राजनीतिक सफलता के मूल मंत्र बन गए हैं। देश के समक्ष पैदा हुए हर अप्रिय से अप्रिय प्रसंग को उन्होंने अपने राजनीतिक फायदे के लिए इस्तेमाल करने में और अपने कारोबारी मित्रों को उसका फायदा दिलाने में कतई संकोच नहीं किया। चाहे वह पुलवामा में हुआ भीषण आतंकवादी हमला हो या लाखों लोगों को मौत की नींद सुला देने वाली कोरोना महामारी हो, या फिर उनके खुद की आहूत की गई नोटबंदी जैसी त्रासदी हो। अभी जम्मू–कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले को लेकर भी मोदी यही करते दिखे हैं और कोई वजह नहीं कि वे आगे भी ऐसा नहीं करेंगे। उन्होंने हमले में हुई 26 पर्यटकों की निर्मम हत्या को आपदा में अवसर की तरह ही देखा। हमले के बाद शुरू दिन से लेकर आतंकवादियों के खिलाफ सैन्य कार्रवाई तक और फिर अमेरिकी दबाव में अचानक युद्धविराम पर राजी होने और फिर राष्ट्र को संबोधित करने तक मोदी प्रधानमंत्री की तरह नहीं बल्कि एक पार्टी के नेता के तौर पर ही देश के समक्ष पेश आए। पहलगाम हमले के बाद से लेकर पाकिस्तान के साथ हुए सैन्य टकराव तक कांग्रेस समेत समूचा विपक्ष सरकार के हर फैसले मे उसके साथ खड़ा था। ऐसा लंबे समय बाद हो रहा था जब सरकार की किसी भी कार्रवाई पर, यहां तक कि सरकार की चूक पर भी किसी विपक्षी पार्टी ने कोई सवाल नहीं किया। सरकार के साथ विपक्ष की ऐसी एकजुटता उस समय भी कभी नहीं देखी गई जब भाजपा विपक्ष में थी। इसके बावजूद सरकार और सत्तारूढ़ भाजपा का रवैया विपक्ष को लेकर जरा भी सद्भाव वाला नहीं रहा। खुद मोदी विपक्ष के सहयोगात्मक रवैये के प्रति गंभीरता और सकारात्मकता न दिखाते हुए उसके प्रति हिकारत और अहंकार भरा व्यवहार करते रहे। पहलगाम हमले के बाद सरकार की ओर से दो बार सर्वदलीय बैठक बुलाई गई लेकिन प्रधानमंत्री मोदी दोनों बैठकों में शामिल नहीं हुए। पहली बैठक हमले के बाद बुलाई गई थी लेकिन मोदी उस बैठक में शामिल न होते हुए बिहार में अपनी पार्टी की रैली को संबोधित करने चले गए। कहा गया कि वे बिहार की धरती से पाकिस्तान और आतंकवादियों को चेतावनी देंगे। सवाल है कि हमला कश्मीर में हुआ तो बिहार जाकर पाकिस्तान को चेतावनी देने का क्या मतलब था? बेहतर तो यह होता कि प्रधानमंत्री श्रीनगर जाते वहां से पाकिस्तान को चेतावनी देते। चूंकि बिहार में पांच महीने बाद विधानसभा के चुनाव होने हैं, इसलिए मोदी ने आपदा को अवसर बनाते हुए बिहार जाना उचित समझा। बिहार में रैली करने के बाद भी प्रधानमंत्री ने सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी के अध्यक्ष या लोकसभा में नेता विपक्ष से मिलना और बात करना उचित नहीं समझा, जबकि इस दौरान उन्होंने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सुप्रीमो मोहन भागवत से जरूर मुलाकात की और अपनी पार्टी के नेताओं से भी लगातार मिलते रहे। आतंकवादियों के ठिकानों पर सैन्य कार्रवाई करने का फैसला करने के बाद भी इस बारे में उन्होंने विपक्ष को विश्वास में नहीं लिया। सैन्य कार्रवाई शुरू होने के बाद सर्वदलीय बैठक बुलाई गई, लेकिन प्रधानमंत्री उसमें भी शामिल नहीं हुए, जबकि वे राजधानी में ही मौजूद थे। जिस समय सर्वदलीय बैठक चल रही थी, ठीक उसी समय प्रधानमंत्री एक टीवी चौनल के कार्यक्रम में शिरकत करते हुए उस चौनल की महिला एंकरों के साथ फोटो सेशन करने में व्यस्त थे। इतना सब होने के बावजूद विपक्ष की ओर से प्रधानमंत्री या सरकार से कोई सवाल नहीं किया जा रहा था। इस नाजुक मौके पर भी विपक्ष से संवाद करना मोदी अपनी शान के खिलाफ समझ रहे थे। प्रधानमंत्री का यह रवैया उनकी पार्टी के प्रवक्ताओं को एक तरह का इशारा था, जिसके मुताबिक टीवी चौनलों की बहस में भाजपा के प्रवक्ता रोजाना विपक्षी नेताओं को गद्दार, देशद्रोही और पाकिस्तान व आतंकवादियों का हमदर्द बता रहे थे। यही काम सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफॉर्म्स पर भाजपा का ईको सिस्टम कर रहा था। यह ईको सिस्टम सिर्फ विपक्षी नेताओं को ही नहीं, बल्कि देश भर के मुसलमानों को भी गद्दार बताते हुए उनके आर्थिक बहिष्कार की अपील कर रहा था। इस सबके बावजूद किसी को कोई संशय या संदेह नहीं रहे, इसके लिए टीवी के सरकारी चौनल डीडी न्यूज पर तो बाकायदा विपक्षी नेताओं के फोटो के साथ लिखा जा रहा था, श्भारत है तैयार लेकिन घर में कितने गद्दार। इतना सब होने के बाद कहीं से भी संदेह की गुंजाइश नहीं रह जाती कि प्रधानमंत्री इस आपदा को अपनी पार्टी के लिए एक बड़े राजनीतिक अवसर के तौर पर देख रहे थे। उनके सामने पांच महीने बाद बिहार और नौ महीने बाद पश्चिम बंगाल के विधानसभा चुनाव हैं। प्रधानमंत्री का इरादा संभवतरू पाकिस्तान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई के जरिये देश में उन्मादी और राष्ट्रवादी माहौल तैयार कर लोकसभा के मध्यावधि चुनाव कराने का था, ताकि पिछले चुनाव में 400 सीटें पाने की अधूरी रह गई हसरत को पूरा किया जा सके। यह दांव मोदी 2019 के चुनाव में आजमा चुके थे और कामयाब भी रहे थे।

पाकिस्तान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई का असल मकसद यही था, लेकिन पाकिस्तान को चीन की मदद ने इस भारत की सैन्य कार्रवाई को ज्यादा देर तक जारी नहीं रहने दिया। इसमें कोई शक नहीं कि भारतीय सेना ने अपना काम बखूबी अंजाम देते हुए पाकिस्तान और उसके कब्जे वाले कश्मीर में आतंकवादियों के कई ठिकानों को नष्ट कर दिया। पाकिस्तानी सेना की ओर से उकसावे की कार्रवाई के जवाब में भारतीय सेना ने पाकिस्तान के कई सैन्य ठिकानों को भी भारी क्षति पहुंचाई। भारतीय सैन्य नेतृत्व ने पहलगाम हमले के पीछे पाकिस्तान के मकसद को भांपने में भी कोई गलती नहीं की और अपनी कार्रवाई शुरू करने के साथ ही उसके प्रवश्वा ने आधिकारिक तौर पर कहा कि, श्पहलगाम हमले का मकसद देश में सांप्रदायिक दंगे भड़काना था लेकिन देश के नागरिकों ने ऐसा नहीं होने दिया।श

बहरहाल. पाकिस्तान और आतंकवादियों के खिलाफ भारतीय सेना की कार्रवाई के दौरान चीन ने साइलेंट किलर की भूमिका निभाते हुए भारत के भी दो लड़ाकू विमान नष्ट कर दिए। हालांकि भारत सरकार ने इस बात की पुष्टि नहीं की है, लेकिन उसने अमेरिका और ब्रिटेन के अखबारों ने इस बारे में विस्तार से छपी खबरों का खंडन भी नहीं किया है। संभवतरू इसी घटना ने भारत को अपने कदम आगे बढ़ाने से रोकने पर मजबूर किया। हालांकि मोदी ने राष्ट्र के नाम संदेश में दावा किया है कि युद्धविराम पाकिस्तान की पहल पर हुआ है, लेकिन अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने एक नहीं, दो बार टीवी पर आकर यह दावा किया है कि युद्धविराम उनके कहने पर हुआ है। भारत सरकार ने ट्रम्प के इन दावों का किसी भी स्तर पर खंडन नहीं किया है। जो भी हो, यह तो साफ हो गया है कि भारतीय सेना की जिस संयमित और सटीक कार्रवाई पर पूरा देश गर्व कर रहा था, उसे भारत सरकार ने अज्ञात शर्तों पर अचानक रोककर एक राष्ट्रीय गर्व के विषय को राष्ट्रीय शर्म में तब्दील कर दिया। प्रधानमंत्री का राष्ट्र के नाम संदेश में खुद की पीठ थपथपाने के अलावा कुछ भी नहीं था, जैसा कि वे अक्सर ही करते हैं। पहलगाम में हुई 26 लोगों की मौत का बदला लेने के लिए की गई कार्रवाई में भारत को 21 लोगों की और बलि देना पड़ी है। प्रधानमंत्री का मध्यावधि चुनाव कराने का स्वप्न भले ही भंग हो गया हो, लेकिन कोई आश्चर्य नहीं कि मोदी बंगाल और बिहार के चुनाव में फर्स्ट टाइम वोटरश से इन मारे गए 47 (2621) लोगों के नाम पर वोट मांगें। आखिर पुलवामा में मारे गए 42 जवानों की शहादत पर भी तो उन्होंने ऐसे ही वोट मांगे थे।

क्रिकेट, कोहली और बाजार

आईपीएल का लोभ ऐसे महान खिलाड़ियों को क्यों है यह सब जानते हैं–अभी तो महेंद्र सिंह धोनी भी यहां जमे हैं और खराब प्रदर्शन के बावजूद मैदान छोड़ने को तैयार नहीं हैं। अपने ही क्यों कई विदेशी खिलाड़ी भी अपने यहां के क्रिकेट से सन्यास लेकर यहां जमे हुए हैं। उनकी तुलना में माही, कोहली, रोहित और अश्विन के जमने का एक और मतलब है–इनको वैसे भी कुछ ज्यादा रकम का कान्ट्रैक्ट। बीच आईपीएल में संन्यास की घोषणा की उम्मीद तो रोहित शर्मा से भी नहीं थी, लेकिन विराट कोहली के टेस्ट से सन्यास की घोषणा ने क्रिकेट जगत और उनके करोड़ों प्रशंसकों को चौंकाया। जल्दी ही इंगलैंड दौरे के लिए टीम का चुनाव होना है। विराट बहुत बड़े खिलाड़ी और महान टेस्ट कप्तान रहे हैं और बीच में फार्म की हल्की गिरावट (और कोरोना की भी मार) के बाद से फिर खेलने लगे हैं और आईपीएल में भी सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज बनने की रेस में नए–नए सितारों को चुनौती दे रहे हैं। उनका फिटनेस और मैदान में अपने कम उम्र और एकदम नए कप्तान समेत सबके साथ व्यवहार बहुत अच्छा है, उनका सेलेबरेशन का तरीका अभी भी प्रतिद्वन्द्वियों को चुभता है तो उनकी बल्लेबाजी का खौफ बना हुआ है।

रोहित पर ये बातें लागू नहीं होती। अब उनका क्रिकेट साफ ढलान पर है– सिर्फ टेस्ट में ही नहीं, सभी फार्मेट में। और बेचारे रविचंद्रन अश्विन तो सेलेक्शन के तौर तरीकों से ऊबकर सारे फार्मेट से सन्यास घोषित कर चुके हैं। उन्होंने भी आईपीएल खेलते रहने का फैसला किया था–ये दोनों तो खेल ही रहे हैं और अश्विन टेस्ट के स्पेशलिस्ट होकर बीस ओवर वाले क्रिकेट में धुना रहे हैं। आईपीएल का लोभ ऐसे महान खिलाड़ियों को क्यों है यह सब जानते हैं–अभी तो महेंद्र सिंह धोनी भी यहां जमे हैं और खराब प्रदर्शन के बावजूद मैदान छोड़ने को तैयार नहीं हैं। अपने ही क्यों कई विदेशी खिलाड़ी भी अपने यहां के क्रिकेट से सन्यास लेकर यहां जमे हुए हैं।

उनकी तुलना में माही, कोहली, रोहित और अश्विन के जमने का एक और मतलब है–इनको वैसे भी कुछ ज्यादा रकम का कान्ट्रैक्ट है लेकिन इन सबको विज्ञापनों की भारी कमाई भी हो रही है। एक–एक विज्ञापन करने का रेट भी अच्छा है–अभी धोनी भी अच्छे अच्छों को टक्कर दे रहे हैं। सिर्फ क्रिकेटरों को ही नहीं, दूसरे स्टार खिलाड़ियों और फिल्मी सितारों को भी। ऐसे में इंस्टाग्राम पर 27 करोड़ से ज्यादा और सोशल मीडिया पर लगभग सात करोड़ फालोअर रखने वाले कोहली अगर हर विज्ञापन करने का प्रति वर्ष दस करोड़ रुपए तक लेते हैं तो वह किसी को नहीं अखरता।

गोरखपुर में विकास की नई पहल

राप्ती रिवर फ्रंट का होगा चैनलाइजेशन, बनेगा रबर डैम

उत्तर प्रदेश के गोरखपुर में राजघाट से डोमिनगढ़ तक राप्ती रिवर फ्रंट विकसित करने की तैयारी तेज हो गई है। सिंचाई विभाग ने जीडीए को डीपीआर के लिए तकनीकी सुझाव दिए हैं जिसमें नदी की ड्रेजिंग और जल उपलब्धता के लिए डैम बनाने की बात कही गई है। परियोजना पर पहले 1100 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान था।

गोरखपुर। लखनऊ के गोमती रिवर फ्रंट की तरह राजघाट से डोमिनगढ़ तक करीब ढाई किमी लंबे राप्ती रिवर फ्रंट विकसित करने को लेकर तैयारी तेज हो गई है। सिंचाई विभाग ने गोरखपुर विकास प्राधिकरण (जीडीए) की ओर से डीपीआर तैयार करने के लिए टेक्निकल फिजिबिलिटी रिपोर्ट पर मांगे गए सुझाव को सौंप दिया है। प्राधिकरण ने इसे डीपीआर के लिए चयनित कंसल्टेंट फर्म मेसर्स प्लानर इंडिया लिमिटेड को उपलब्ध भी करा दिया है। पूर्व में इस परियोजना पर करीब 1100 करोड़ रुपये खर्च का आंकलन किया गया था, लेकिन अब सिंचाई विभाग के सुझाव के बाद इस आंकड़े में बदलाव आने की उम्मीद है। फिलहाल, परियोजना की वास्तविक लागत कितनी आएगी, इसका सटीक आंकलन डीपीआर तैयार होने के बाद ही हो सकेगा।

टेक्निकल फिजिबिलिटी रिपोर्ट के अध्यन के बाद सिंचाई विभाग ने जो छह प्रमुख सुझाव प्राधिकरण को दिए हैं, उसके मुताबिक विभाग ने नदी का व्यवहार सामान्य रखने के लिए उसकी ड्रेजिंग और चौनलाइजेशन का प्रविधान करने को कहा है। साथ ही वर्ष भर जल की उपलब्धता के लिए डैम बनाने का सुझाव दिया है। विभाग ने परियोजना को लेकर पर्यावरण प्रभाव आकलन के सभी कारकों का भी अध्ययन करने की सिफारिश की है और आकृति विज्ञान के अध्ययन में गणितीय आंकड़ों को समाहित करने को कहा है। इसी तरह सिंचाई विभाग ने बाढ़ आवृत्ति विश्लेषण में डिस्चार्ज की गणना में वर्ष 2024 तक के डेटा को समाहित करने और डीपीआर को एनएमसीजी (जल शक्ति मंत्रालय उप्र) और एनजीटी के दिशा निर्देश के अनुसार तैयार करने का सुझाव दिया है।

महायोजना की पेंच भी जल्द सुलझने के आसार

प्राधिकरण की ओर से महायोजना 2031 के प्रारूप में प्रस्तावित राप्ती रिवर फ्रंट वाले क्षेत्र को बाढ़ प्रभावित क्षेत्र की जगह रिक्रिएशनल ग्रीन एरिया (मनोरंजक हरित क्षेत्र) करने का प्रस्ताव किया गया है। लेकिन, शासकीय समिति ने महायोजना को अनुमोदित करने का जो पत्र भेजा था, उसके साथ लगाई गई तीन शर्तों में से एक शर्त इस क्षेत्र को बाढ़ प्रभावित रखने की भी थी। इसे भी रिवर फ्रंट की योजना में एक पेंच माना जा रहा था। हालांकि प्राधिकरण की ओर से इन शर्तों को हटाने के लिए शासन को पत्र लिखा गया है। उम्मीद है कि प्राधिकरण के पत्र पर जल्द ही सकारात्मक निर्णय आ सकता है।

मुख्यमंत्री की पहल पर विकसित की जा रही परियोजना

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की पहल पर राप्ती नदी के किनारे राप्ती रिवर फ्रंट परियोजना विकसित करने की तैयारी चल रही है। जीडीए को डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार करने के साथ ही सिंचाई विभाग को इसमें सहयोग करने का निर्देश है।

इसी क्रम में डीपीआर तैयार करने के लिए प्राधिकरण ने पिछले साल कंसल्टेंट फर्म के तौर पर मेसर्स प्लानर इंडिया लिमिटेड का चयन किया था। फर्म ने डीपीआर के लिए तकनीकी फिजिबिलिटी रिपोर्ट तैयार कर सिंचाई विभाग से सुझाव मांगा था। सात मई 2025 को सिंचाई विभाग के ड्रेनेज खंड के अधिशासी अभियंता की ओर से सुझाव के बिंदु उपलब्ध करा दिए गए।

गोरखपुर में हंगामा–पार्षद प्रतिनिधि और कोटेदार में विवाद

आरोप– पाकिस्तान समर्थक है कोटेदार, उसके समर्थक

गोरखपुर। तिवारीपुर थाना क्षेत्र के जफरा बाजार निवासी विनोद गुप्ता मोहल्ले की चंद्रावती नामक महिला की केवाईसीकराने के लिए स्थानीय कोटेदार खलील के यहां गए थे । जहां किसी बात को लेकर कोटेदार खलील से विनोद गुप्ता की कहासुनी हो गई। कोटेदार के पास एक महिला का केवाईसी करने गए पार्षद प्रतिनिधि विजय गुप्ता और कोटेदार के बीच विवाद हो गया। आरोप है कि पाकिस्तान के पक्ष में टिप्पणी करने को लेकर विवाद हुआ है। इसके बाद पार्षद भी मौके पर पहुंच गए और स्थानीय लोगों के साथ धरने पर बैठ गए। पुलिस तहरीर लेकर मामले को शांत कराई। पुलिस केस दर्ज कर मामले की जांच कर रही। जानकारी के मुताबिक, तिवारीपुर थाना क्षेत्र के जफरा बाजार निवासी विनोद गुप्ता मोहल्ले की चंद्रावती नामक महिला की केवाईसीकराने के लिए स्थानीय कोटेदार खलील के यहां गए थे।

जहां किसी बात को लेकर कोटेदार खलील से विनोद गुप्ता की कहासुनी हो गई। आरोप है कि इसी कहासुनी में अकारण ही पूर्व पार्षद इरशाद अपने भाई डान तथा एक साथी अमन के साथ आकर विनोद गुप्ता के साथ लात मुक्कों से मारपीट करने लगे। कुछ लोगों द्वारा आकर बीच बचाव कराया गया। सूचना पाकर मौके पर वर्तमान पार्षद अभिषेक शर्मा आवास विकास तथा शिवेन्द्र मिश्रा पार्षद कल्यानपुर मौके पर आये और विनोद गुप्ता को लेकर थाने पर आ गए। मामले को देखते हुए पीड़ित विनोद गुप्ता को तत्काल मेडिकल के लिए जिला अस्पताल रवाना किया गया है।

दोनों पार्षद अभिषेक शर्मा व शिवेन्द्र मिश्रा तहरीर स्वयं देने की बात कहते हुए तहरीर लिखे, लेकिन थाने पर तहरीर नहीं दिए। बाद धरने पर बैठे पार्षद अभिषेक ने आरोप लगाया कि कोटेदार पाकिस्तान के समर्थन में बाते कर रहा था, जिसे लेकर विवाद हुआ है। एसपी सिटी अभिनव त्यागी ने बताया कि पुलिस तहरीर के आधार पर कार्रवाई कर रही है।

किन्नर गई थी बधाई लेने, मनबढ़ों ने पीटा

गोरखपुर। वैशाली किन्नर का कहना है कि सोमवार रात नंदू पासवान के यहां तिलकोत्सव कार्यक्रम था। इसमें किन्नर बधाई देने गए थे। इस दौरान कुछ मनबढ़ लड़के किन्नरों को परेशान करने लगे। स्थानीय लोगों के बीच–बचाव करने से मामला शांत हो गया। इससे नाराज मनबढ़ लड़कों ने मंगलवार सुबह करीब आठ बजे वैशाली किन्नर के घर के पास सीमा किन्नर को मारपीट कर घायल कर दिए। झंगहा इलाके के दुबौली चौराहे के पास मनबढ़ों ने मंगलवार सुबह सीमा किन्नर को मारपीट कर घायल कर दिया। सूचना पर पहुंचे साथी किन्नरों ने नई बाजार पुलिस चौकी पर हंगामा किया। कार्रवाई का आश्वासन देकर उन्हें झंगहा थाने भेजा गया, फिर मामला शांत हुआ।

इधर, घायल किन्नर को पीएचसी ब्रह्मपुर पहुंचाया गया जहां से जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। जानकारी के मुताबिक, दुबौली चौराहे के पास किन्नर वैशाली कई किन्नरों के साथ किराए के मकान में रहती हैं। वैशाली किन्नर का कहना है कि सोमवार रात नंदू पासवान के यहां तिलकोत्सव कार्यक्रम था।

इसमें किन्नर बधाई देने गए थे। इस दौरान कुछ मनबढ़ लड़के किन्नरों को परेशान करने लगे। स्थानीय लोगों के बीच–बचाव करने से मामला शांत हो गया। इससे नाराज मनबढ़ लड़कों ने मंगलवार सुबह करीब आठ बजे वैशाली किन्नर के घर के पास सीमा किन्नर को मारपीट कर घायल कर दिए।शोर सुनकर वैशाली किन्नर व अगल बगल के लोग मौके पर पहुंचे तब मनबढ़ भाग निकले। घायल किन्नर को पीएचसी ब्रह्मपुर पीएचसी में भर्ती कराया, जहां बड़ी संख्या में किन्नर पहुंच गए और आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग करने लगे। वहां से किन्नर नई बाजार पुलिस चौकी पर आए।

यहां के हलका दरोगा व सिपाही किन्नरों को समझाने का प्रयास करने लगे। इससे किन्नर आक्रोशित होकर हंगामा करने लगे। झंगहा थाना प्रभारी जयंत कुमार सिंह ने बताया कि किन्नरों की मांग पर नेकवार हरपुर निवासी आकाश साहनी और दीपक राजभर को शांतिभंग में चालान किया गया है।

व्यापारी ने फंदा लगाकर की खुदकुशी–बैंक और सूदखोरों से सूद लेकर खरीदी थी कई गड़ियां

गोरखपुर। मृतक रुपेश कुमार के दोस्तों का कहना था कि उसने काफी कर्ज ले लिया था। जिसे जमा नहीं कर पा रहा था, इसको लेकर वह बहुत परेशान चल रहा था, कई बार उसने ये भी कहा कि मेरी दोनों लड़कियों को संभाल लेना मुझे अब जीवन बोझ लगने लगा है। तब उसे समझाया भी गया था कि धीरे–धीरे सब ठीक हो जाएगा। पादरी बाजार (गोरखपुर)। शाहपुर इलाके के बसंत विहार कॉलोनी में मंगलवार सुबह कर्ज में डूबे व्यापारी ने फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली। सूचना पर पहुंची शाहपुर पुलिस ने छानबीन के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया।

जानकारी के मुताबिक, शाहपुर इलाके के शाहपुर थाना रोड स्थित बसंत विहार कॉलोनी निवासी रुपेश कुमार गुप्ता (35) असुरन चौराहे के पास चित्रा मेडिकल स्टोर के साथ बेतियाहाता में ट्रेवल एजेंसी चलाते थे। उनकी पत्नी प्रियंका गुप्ता और दो बेटी हैं। मेडिकल स्टोर पर उनकी भाभी बबीता गुप्ता बैठती हैं। इनके पति उमेश गुप्ता की कोरोना में मौत हो गई थी। इनकी कोई संतान नहीं हैं।

इस संबंध में प्रभारी निरीक्षक शाहपुर नीरज कुमार राय ने बताया कि प्रथम दृष्टया कर्ज में डूबे होने से खुदकुशी की बात सामने आ रही है। अन्य कारणों की भी जांच चल रही है। पुलिस के मुताबिक, रुपेश गुप्ता मेडिकल स्टोर की देखभाल के साथ ट्रेवल्स एजेंसी और रेलवे टिकट बुकिंग भी करते थे। बताया जा रहा कि वह बैंक और सूदखोरों से कर्ज लेकर कई गाड़ियां खरीदी थीं। जिसे बुकिंग पर चलवाते थे। मेडिकल स्टोर का किराया भी 50 हजार रुपये देते थे। विगत कई महीने से कर्ज की वजह से काफी तनाव में रहते थे। मंगलवार को बेतियाहाता स्थित ट्रेवल्स एजेंसी और साइबर कैफ को खाली करना था। बताया जा रहा है कि वह किराए नहीं दे पा रहे थे। बताया जा रहा है कि बैंक और सूद पर लिए रुपयों को चुकाने के दबाव की वजह से मंगलवार सुबह आठ बजे कमरे में साड़ी का फंदा बनाकर खुदकुशी कर ली। कुछ देर बाद पत्नी और बच्चे पहुंचे तो दरवाजा बंद था। परिजनों ने जब दरवाजा तोड़ा तो फंदे से शव लटक रहा था। उसे उतारकर तत्काल मेडिकल कॉलेज ले गए, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। देर शाम पोस्टमार्टम के बाद शव आया, फिर राजघाट में अंतिम संस्कार किया गया। इस दौरान परिचित और रिश्तेदारों की भीड़ लगी रही।

बार–बार मरने की रुपेश कर रहा था बातें

मृतक रुपेश कुमार के दोस्तों का कहना था कि उसने काफी कर्ज ले लिया था। जिसे जमा नहीं कर पा रहा था, इसको लेकर वह बहुत परेशान चल रहा था, कई बार उसने ये भी कहा कि मेरी दोनों लड़कियों को संभाल लेना मुझे अब जीवन बोझ लगने लगा है।

तब उसे समझाया भी गया था कि धीरे–धीरे सब ठीक हो जाएगा। कुछ गाड़ियां बेचने और बेतियाहाता वाली दुकान बंद करने की बात भी हुई थी। इसमे मदद करने के लिए भी कहा गया था। रुपेश की दो बेटियां एक पांच व दूसरी सात साल की है। उसकी शादी करीब नौ साल पहले हुई थी। रुपेश की पत्नी प्रियंका ने बताया कि इधर कुछ दिनों से काफी परेशान चल रहे थे। मंगलवार को बेतियाहाता की दुकान खाली करनी थी। सुबह उठकर हमलोगों के साथ बैठे थे। अचानक छत वाले कमरे में जाकर उन्होंने आत्मघाती कदम उठा लिया।

बर्ड फ्लू से अलर्ट...एक हफ्ते बंद रहेगा चिड़ियाघर

जांच के लिए 105 लोगों का लिया गया सैंपल

गोरखपुर। मौत के बाद सैंपल आईवीआरआई, बरेली के साथ ही राष्ट्रीय उच्च सुरक्षा पशुरोग संस्थान, भोपाल भेजा गया था। जांच में शक्ति की मौत की वजह बर्ड फ्लू आई है। इसके बाद से ही चिड़ियाघर को बंद कर दिया गया। वहीं, आरएमआरसी (रीजनल मेडिकल रिसर्च सेंटर) की टीम ने मंगलवार की सुबह चिड़ियाघर पहुंचकर बाघिन शक्ति की देखरेख करने वाले समेत 105 से अधिक कर्मियों का बर्ड फ्लू जांच के लिए सैंपल लिया गया। गोरखपुर। एच5 एवियन इंफ्लूएंजा (बर्ड फ्लू) संक्रमण को लेकर चिड़ियाघर और जिला प्रशासन अलर्ट हो गया है। 20 मई तक चिड़ियाघर को बंद कर दिया गया है। साथ ही मंगलवार को दिनभर सैनिटाइजेशन किया गया। वहीं बर्ड फ्लू संक्रमण की जांच के लिए 105 कर्मियों का सैंपल लिया गया है। प्रदेश में एच5 एवियन इंफ्लूएंजा (बर्ड फ्लू) संक्रमण की आशंका को गंभीरता से लेते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी मंगलवार को लखनऊ में उच्चस्तरीय बैठक की। सात मई को भोर में अस्पताल में बाघिन शक्ति की मौत हो गई थी। उसने एक दिन पहले कम पानी पीया था। मौत का कारण मल्टीपल ऑर्गन फेल्योर सामने आया था। शक्ति अभी दो साल की थी। उसे मैलानी से रेस्क्यू कर लाया गया था।

मौत के बाद सैंपल आईवीआरआई, बरेली के साथ ही राष्ट्रीय उच्च सुरक्षा पशुरोग संस्थान, भोपाल भेजा गया था। जांच में शक्ति की मौत की वजह बर्ड फ्लू आई है। इसके बाद से ही चिड़ियाघर को बंद कर दिया गया। वहीं, आरएमआरसी (रीजनल मेडिकल रिसर्च सेंटर) की टीम ने मंगलवार की सुबह चिड़ियाघर पहुंचकर बाघिन शक्ति की देखरेख करने वाले समेत 105 से अधिक कर्मियों का बर्ड फ्लू जांच के लिए सैंपल लिया गया।

रामगढ़ताल के किनारों को भी किया गया सैनिटाइज

बर्ड फ्लू की आशंका को देखते हुए मंगलवार को चिड़ियाघर के वेटलैंड का भी सैनिटाइजेशन कराया गया। इसके अलावा रामगढ़ताल के किनारों को भी सैनिटाइज किया गया है। दोनों स्थानों पर पक्षी वास करते हैं। बर्ड फ्लू की आशंका को देखते हुए चिड़ियाघर को 20 मई तक बंद कर दिया गया है। चिड़ियाघर के कर्मियों की जांच के लिए आरएमआरसी की टीम ने सैंपल लिया है। साथ ही पूरे परिसर को सैनिटाइज कराया गया है।

विकास यादव, निदेशक, चिड़ियाघर

CBSE 12वीं का रिजल्ट घोषित

टीचर्स ने बच्चों को दी बधाई स्कूलों में जश्न का माहौल

शामली की सावी जैन ने देशभर में किया टॉप, 500 में से 499 अंक प्राप्त किए

अनुष्का ने 99... तो आंचल ने हासिल किए 98.8 फीसदी अंक लखनऊ की बेटियों ने रचा कीर्तिमान

सीबीएसई बोर्ड के कक्षा 12वीं का परीक्षा परिणाम आया तो राजधानी लखनऊ में छात्र–छात्राएं अपना–अपना परिणाम देखने लगे। परीक्षा परिणाम देखकर छात्र–छात्राओं के चेहरे खिल गए। जिले की बेटियों ने अपने परिणाम से कीर्तिमान गढ़ा। अनुष्का ने 99 और आंचल ने 98.8 फीसदी अंक हासिल किए। इससे माता–पिता और शिक्षकों में खुशी की लहर दौड़ गई।

शाहजहांपुर में आयुषी मिश्रा बनी 12वीं की टॉपर, हासिल किए 99.4 प्रतिशत अंक

गोरखपुर। *केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने 12वीं कक्षा का परीक्षा परिणाम घोषित कर दिया है। रिजल्ट जारी होने के साथ ही जिले के CBSE स्कूलों में हलचल तेज हो गई। छात्र–छात्राएं अपने मोबाइल, लैपटॉप और साइबर कैफे के जरिए अपने अंक देखने में जुट गए। कई स्कूलों में सुबह से ही शिक्षकों और अभिभावकों की भीड़ जुटने लगी थी। जैसे–जैसे विद्यालयवार परिणाम सामने आए, वैसे–वैसे स्कूलों में खुशी का माहौल दिखने लगा। गोरखपुर जिले के 125 ब्वैम् स्कूलों से इस बार 12वीं की परीक्षा में कुल 15029 विद्यार्थी शामिल हुए थे।*

इनमें से 10865 छात्र–छात्राएं परीक्षा में सफल घोषित किए गए। ब्वैम् बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट पर जैसे ही परिणाम अपलोड हुआ, विद्यार्थियों के साथ–साथ उनके परिजन भी रिजल्ट देखने के लिए उत्सुक नजर आए।

स्कूलों में सेल्फी, मिठाई और उत्सव का माहौल

जिन छात्रों के अच्छे अंक आए, उन्होंने एक–दूसरे को मिठाई खिलाकर जश्न मनाया। कुछ स्कूलों में नाश्ते की भी व्यवस्था की गई थी। कई छात्रों ने पास होने के बाद मंदिर जाकर पूजा की। सोशल मीडिया पर भी छात्रों ने रिजल्ट के स्क्रीनशॉट और सेल्फी साझा कर अपनी सफलता को दर्शाया। कुछ स्कूलों में विद्यार्थियों ने 'हिप–हिप हुर्रे' के नारे लगाकर अपनी खुशी जाहिर की।

शहर के प्रमुख स्कूलों में दिखा उत्साह

आरपीएम एकेडमी, सरमाउंट इंटरनेशनल स्कूल, स्टेपिंग स्टोन, द पिलर्स स्कूल, जीएन नेशनल पब्लिक स्कूल, स्प्रिंगर लोटेरो, आर्मी पब्लिक स्कूल, केंद्रीय विद्यालय, रैंपस, जेपी एजुकेशन एकेडमी, एबीसी पब्लिक स्कूल, सेंट जेवियर स्कूल सहित कई स्कूलों में परिणाम के बाद छात्रों ने अपने शिक्षकों से आशीर्वाद लिया और भविष्य की तैयारियों को लेकर चर्चा की।

शिक्षकों ने छात्रों को आगे बढ़ने के लिए किया प्रेरित

रिजल्ट जारी होने के बाद विद्यालयों के प्रधानाचार्य और शिक्षकों ने सफल छात्रों को बधाई दी और उन्हें आगे की पढ़ाई में निरंतर मेहनत करने की सलाह दी। कई स्कूलों में प्राचार्य व शिक्षकों ने विद्यार्थियों के साथ ग्रुप फोटो खिंचवाए और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। अभिभावकों ने भी बच्चों की सफलता पर शिक्षकों के योगदान की सराहना की।

वन्यजीवों की मौत पर सीएम योगी सख्त

***H5** वायरस को लेकर बुलाई मीटिंग, गोरखपुर चिड़ियाघर में एक महीने में 4 वन्यजीवों की हो चुकी मौत*

गोरखपुर। गोरखपुर के शहीद अशफाक उल्ला खां प्राणि उद्यान में वन्यजीवों की रहस्यमय मौतों ने सरकार की चिंता बढ़ा दी है। मंगलवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने सरकारी आवास पर इस मामले को लेकर उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की।

बैठक में वन विभाग, स्वास्थ्य विभाग और चिड़ियाघर प्रशासन के अधिकारी शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि किसी भी हाल में संक्रमण पर तुरंत नियंत्रण किया जाए और वन्यजीवों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए।

एक महीने में चार बड़ी मौतें

एक महीने के भीतर गोरखपुर चिड़ियाघर में एक बाघ, एक बाघिन, एक तेंदुआ और एक भेड़िए की मौत हो चुकी है। शुरुआती जांच में H5 एवियन इंफ्लूएंजा वायरस की पुष्टि हुई है। विशेषज्ञों की मानें तो यह वायरस अन्य मांसाहारी प्रजातियों में भी फैल सकता है। जिससे स्थिति और गंभीर हो सकती है।

लगातार हो रही मौतों से चिड़ियाघर में हड़कंप मचा है। अब अन्य जानवरों की लगातार निगरानी की जा रही है और कुछ संवेदनशील प्रजातियों को आइसोलेशन में रखा गया है।

ब्ड योगी का ड्रीम प्रोजेक्ट है चिड़ियाघर

गोरखपुर चिड़ियाघर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का ड्रीम प्रोजेक्ट रहा है। इसके निर्माण से लेकर संचालन तक की हर छोटी–बड़ी गतिविधि पर मुख्यमंत्री की नजर रही है।

चिड़ियाघर के कई वन्यजीवों के नाम खुद मुख्यमंत्री ने रखे थे। ऐसे में इन मौतों ने प्रशासन और सरकार, दोनों को चिंतित कर दिया है।

रिपोर्ट जल्द सार्वजनिक करने के निर्देश

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि मृत वन्यजीवों की पोस्टमार्टम रिपोर्ट को जल्द से जल्द सार्वजनिक किया जाए और संक्रमण की सटीक वजह सामने लाई जाए। इसके साथ ही चिड़ियाघर में साफ–सफाई, सैनिटाइजेशन और अन्य रोकथाम उपायों को तेज करने के आदेश दिए गए हैं।

विशेषज्ञों की टीम करेगी निगरानी

वन्यजीव विशेषज्ञों की एक टीम भोपाल–दिल्ली से गोरखपुर भेजी गई है जो वायरस की जांच, निगरानी और आगे की रणनीति पर काम करेगी। आम जनता से भी अपील की गई है कि वे चिड़ियाघर की यात्रा से फिलहाल परहेज करें और किसी भी असामान्य गतिविधि की सूचना तुरंत प्रशासन को दें।

CBSE 10वीं का रिजल्ट जारी

गोरखपुर में 15447 विद्यार्थियों ने दी थी परीक्षा

CBSE *का रिजल्ट जारी होने के बाद खुशी मनाते बच्चे।*

गोरखपुर। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की ओर से 12वीं के बाद 10वीं के रिजल्ट भी घोषित कर दिए गए हैं। गोरखपुर में 15 हजार 447 छात्रों ने परीक्षा दी थी। सभी छात्र अपना रिजल्ट देखने में जुट गए हैं। हालांकि स्कूलों को अभी कमांड नहीं मिला है। जिससे बल्क में रिजल्ट पता नहीं चल रहा है। CBSE की वेबसाइट पर रिजल्ट देखने का सिलसिला शुरू हो गया है। गोरखपुर का रिजल्ट भी 90 प्रतिशत से अधिक है।

गोरखपुर में 15 फरवरी से 28 परीक्षा केंद्रों पर CBSE की परीक्षा कराई गई थी। 28 परीक्षा केंद्रों पर यह परीक्षा हुई थी। कई दिनों से छात्र–छात्राओं को परीक्षा परिणाम का इंतजार था। मंगलवार को दोपहर 12 बजे 12वीं का परिणाम घोषित किया गया। जबकि लगभग 1:30 बजे हाईस्कूल का परिणाम घोषित किया गया।

परिणाम देखने में जुटे छात्र–छात्राएं

हाईस्कूल के छात्र–छात्राएं एवं उनके अभिभावक परीक्षा परिणाम देखने में जुट गए हैं। सभी व्यक्तिगत रूप से परिणाम देख रहे हैं। जैसे–जैसे उनके परिणाम सामने आ रहे हैं, वे स्कूल पहुंच रहे हैं। स्कूलों में विद्यार्थियों ने खुशी मनाई।

गीडा 173 एकड़ में विकसित करेगा आवासीय योजना

ले आउट को मिल चुकी है मंजूरी, विकास कार्य जल्द कराए जाएंगे शुरू

गोरखपुर। गीडा की ओर से 173 एकड़ में एक और आवासीय योजना को लांच करने की तैयारी है। इसके ले आउट को मंजूरी मिल गई है। गोरखपुर व आसपास के जिलों के लोगों को जल्द ही एक और आवासीय टाउनशिप मिलने जा रही है। गोरखपुर औद्यागिक विकास प्राधिकरण 173 एकड़ में यह योजना विकसित करेगा। इसके ले आउट को मंजूरी दे दी गई है। जल्द ही यहां विकास कार्य शुरू करा दिया जाएगा। कालेसर–जगदीशपुर फोरलेन बाईपास से यह योजना 5 मिनट की दूरी पर होगी।

गीडा की ओर से 6 महीना पहले ही कालेसर में एक आवासीय योजना लांच की गई है। इसमें 400 से अधिक भूखंड उपलब्ध कराए गए हैं। ळप्क। की ओर से लंबे समय बाद किसी आवासीय योजना को लांच किया गया था। कालेसर आवासीय योजना को मूर्त रूप देने के बाद दूसरी आवासीय योजना पर काम शुरू हो गया है।

गीडा बोर्ड से ले आउट को मिली मंजूरी

गीडा प्रबंधन की ओर से गीडा बोर्ड की बैठक में नई आवासीय योजना के लेआउट को रखा गया था। बोर्ड से लेआउट को मंजूरी मिल गई है। अब सड़कों व नालियों का काम शुरू हो सकेगा। माना जा रहा है कि विकास कार्य शुरू होने के बाद प्लाट की साइज भी तय कर ली जाएगी। उसके बाद आवेदन आमंत्रित किए जा सकते हैं।

शहर से नजदीक गीडा की सबसे बड़ी आवासीय योजना

यह शहर के नजदीक गीडा की सबसे बड़ी आवासीय योजना है। यहां श्रमिकों के लिए फ्लैट बनाने का भी प्रस्ताव है। इससे गीडा में काम करने वाले लोगों को फायदा होगा। बड़ी संख्या में आवासीय भूखंड भी उपलब्ध कराने की तैयारी है। वाराणसी फोरलेन पर स्थित बाघागाड़ा से यहां 5 मिनट में पहुंचा जा सकेगा। चकभोप में विकसित होने वाली योजना कालेसर में विकसित योजना से बड़ी होगी।

गोरखपुर में दो युवकों और एक महिला ने किया सुसाइड

दो ने फांसी लगाकर दी जान, एक ने लाइसेंसी बंदूक से खुद को मार ली गोली

गोरखपुर। गोरखपुर में सोमवार को तीन लोगों ने सुसाइड कर लिया। इनमें एक युवक और एक महिला ने फांसी का फंदा लगाकर अपनी जान दे दी। जबकि, एक अन्य युवक ने अपने बाबा की लाइसेंसी बंदूक से खुद को गोली मारकर सुसाइड कर लिया। लेकिन हैरानी वाली बात यह है कि अलग–अलग इलाकों में हुए इन तीनों मामलों में सुसाइड की वजह सामने नहीं आई। हालांकि, पुलिस ने इनके शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और मामले की पड़ताल में जुट गई है।

मंदिर में 10वीं के छात्र ने किया सुसाइड

पहली घटना ।प्डै इलाके के कुसम्ही बाजार राम जानकी मंदिर परिसर की है। यहां एक 10वीं के छात्र ने सुसाइड कर लिया। उसका शव मंदिर परिसर के एक कमरे में लटकता हुआ मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और सुसाइड के वजहों की तलाश में जुट गई। किशोर की पहचान कुसम्ही बाजार निवासी निखिल (17) के रूप में हुई। पुलिस के मुताबिक, कुसम्ही बाजार निवासी निखिल पुत्र साधु इधर कुछ दिनों से पूजा–पाठ में ही लगा रहता था। वह इलाके एक कॉलेज में 10वीं की पढ़ाई भी कर रहा था। दिन भर पूजा–पाठ करते हुए वह अपना वीडियो भी सोशल मीडिया पर अपडलोड करता रहता था।

एक साल से मंदिर पर रहकर पूजा–पाठ करता था

मां सुनीता देवी ने बताया कि निखिल दो भाई तीन बहनों में तीसरे नंबर का था। इधर एक साल से राम जानकी मंदिर में रहकर पूजा–अर्चना कर रहा था। सोमवार देर रात मंदिर परिसर के एक कमरे में पंखे पर फंदे लगाकर लटक कर अपनी जान दे दी।

लाइसेंसी बंदूक से अपने सीने में मार ली गोली

दूसरी घटना पिपराइच इलाके जंगल पकड़ी की है। यहां एक युवक ने अपने बाबा की बंदूक से सीने में गोली मारकर खुदकुशी कर ली। जिसके बाद घर में कोहराम मच गया। युवक की पहचान जंगल पकड़ी निवासी सुनील सिंह के बेटे सौरभ सिंह (22) के रूप में हुई। पुलिस के मुताबिक, किसी बात को लेकर सौरभ तनाव में चल रहा था। इसका कारण पता किया जा रहा है। वहीं, पुलिस के साथ ही फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए।

बीटेक का छात्र था सौरभ

पुलिस के मुताबिक, सौरभ सिंह गीडा स्थित एक इंजीनियरिंग कालेज में बीटेक का छात्र था। उसके बाबा कैलाश सिंह सेना से रिटायर्ड थे। सोमवार की शाम सौरभ ने अपने घर पर बाबा कैलाश सिंह की लाइसेंसी बंदूक से सीने में बाएं तरफ गोली मार ली। गोली की आवाज सुनकर पहुंचे चाचा आनन–फानन में सौरभ को मेडिकल कॉलेज लेकर गए।

डिप्रेशन में था सौरभ

जहां डाक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। मृतक तीन भाइयों में बड़ा था, इसके दो छोटे भाई साहिल और छोटू हैं। पिता प्राइवेट गाड़ी चलाते हैं। घटना के दौरान पिता सुनील सिंह लखनऊ और अन्य परिजन घर के बाहर गए थे। चाचा अनिल सिंह ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि सौरभ इधर कुछ दिनों से मानसिक तनाव में था। इसलिए खुदकुशी कर ली है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने बंदूक बरामद कर अपने कब्जे में ले लिया।

खुदकुशी से पहले अमित ने रिश्तेदार को व्हाट्सएप काल कर बताई थी ये बात

उन्नाव । एक युवक ने पत्नी और दो मासूम बेटियों का कत्ल कर खुदकुशी कर ली। अवैध संबंध के शक में युवक ने पत्नी और दो मासूम बेटियों की सोते समय तकिया से मुंह दबाकर हत्या की। इसके बाद उसी कमरे में फंदे से लटक कर जान दे दी। उत्तर प्रदेश के उन्नाव के अचलगंज में पत्नी–पत्नी के बीच उपजे शक ने चार लोगों के हंसते–खेलते परिवार को निगल लिया। युवक ने पहले पत्नी के साथ ही दोनों बेटियों को मौत की नींद सुलाया, बाद में खुद भी मौत को गले लगा लिया। महिला और उसकी दो बेटियों की मौत दम घुटने से हुई है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में इसकी पुष्टि हुई है। आशंका है कि मृतका के ऊपर जो तकिया रखी मिली उसी को सोते समय मुंह पर रखकर तीनों को मारा गया। जबकि तीनों की हत्या करने वाले अमित की मौत हैंगिंग से होने की पुष्टि हुई है। रिपोर्ट के अनुसार, पोस्टमार्टम से 12 घंटे पहले चारों की मौत हुई। चारों के पेट में भोजन नहीं मिला है। छोटे भाई संदीप ने बताया कि अमित पांच भाइयों में दूसरे नंबर का था। गांव में 100–100 मीटर की दूरी पर तीन घर बने हैं। एक घर में वह, अपने भाई रंजीत, अजीत और माता–पिता के साथ रहते हैं। दूसरे घर में अनुज और तीसरे घर में अमित अपने परिवार के साथ रहते थे।

पत्नी के चरित्र पर था शक

अमित को काफी समय से पत्नी के चरित्र पर शक था। रोज–रोज के झगड़े से परेशान होकर अमित ने तीन महीने पहले ही अपने घर के बाहर तीन सीसीटीवी कैमरे लगवाए थे। इनमें सबसे ऊपर लगा एक कैमरा तीन दिन से बंद मिला है, जबकि दो कैमरे चालू हैं।

दो मई को क्या हुआ था

पुलिस ने फुटेज की जांच की तो किसी बाहरी के आने की पुष्टि नहीं हुई है। हालांकि पुलिस डीवीआर में सुरक्षित पूरी रिकार्डिंग चेक करने की बात कह रही है, ताकि पिछले कुछ दिनों में क्या–क्या हुआ, घर में कौन कितनी बार आया–गया, दो मई को जिस दिन पति–पत्नी में झगड़ा हुआ था, उस दिन की गतिविधियां क्या रहीं, इसका पता चल सके। लोगों का कहना है कि अमित रोज कैमरों की फुटेज भी चेक करता था। मोबाइल पर सीसीटीवी एक्टिवेट था।

परिजनों ने पुराने मामले में विरोधियों को फंसाने का किया प्रयास

मृतका गीता ने वर्ष 2022 में गांव के ही अशोक, विजय और मनोहर पर छेड़छाड़, विरोध करने पर मारपीट करने और गर्भपात होने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस ने विवेचना में अशोक का दोष न मिलने पर नाम हटा दिया था। वहीं, विजय और मनोहर को जेल भेजा था। दोनों आरोपी घटना के दो महीने बाद जमानत पर छूट गए थे।

27 मई को इसी मुकदमे में न्यायालय में पेशी थी।

इस बात पर भी हुआ था पति–पत्नी में झगड़ा

मृतक के पिता ने इन्हीं विरोधियों पर बेटे, बहू और दोनों पौत्री की हत्या का आरोप लगाया। हालांकि जांच में दोनों गांव में ही मिले। चर्चा यह भी है कि पति की प्रताड़ना से परेशान गीता भी इस केस में सुलह करने की बात कह रही थी। इस बात पर भी पति–पत्नी में झगड़ा हुआ। वहीं, वर्ष 2023 में मृतक के पिता ने गांव के शिवमोहन और नवल किशोर पर मारपीट की रिपोर्ट दर्ज कराई थी, उस बिंदु पर भी पुलिस ने जांच की, लेकिन कुछ नहीं मिला।

कुछ दिन पहले गीता ने की थी खुद को चाकू मारने की कोशिश

जांच के दौरान ग्रामीणों में चर्चा रही कि गीता का काफी समय से पति से विवाद चल रहा था। कुछ दिनों पहले उसने खुद पर चाकू से वार कर जान देने का प्रयास किया था, लेकिन गनीमत रही कि ज्यादा गहरी चोट नहीं आई थी। हालांकि मृतकों के परिजन इस पर कुछ भी कहने से बचते रहे।

बेटे–बहू और दो पौत्रियों का एक साथ शव देख बिलखे दादी–बाबा

मां रीता रानी और पिता उमेशचंद्र ने साल 2014 में अमित का गीता से विवाह किया था। दो पौत्री होने के बाद घर में खुशहाली थी।शुरूआत में सब कुछ अच्छा था। लेकिन शक और आवेश के कारण रीता रानी और उमेश चंद्र ने एक बेटे का पूरा परिवार ही खो दिया। पोस्टमार्टम के बाद देर शाम चारों शव गांव पहुंचे तो चीख–पुकार मच गई। जिसने भी शव देखे उसकी आंखों से आंसू आ गए।

बड़ी बेटी कक्षा दो और छोटी केजी की थी छात्रा

संदीप ने बताया कि भाई अमित की बड़ी बेटी खुशी कक्षा दो और छोटी बेटी निधि केजी की छात्रा थी। दोनों कान्वेंट स्कूल में पढ़ती थीं। भाई अमित सोशल मीडिया पर कॉमेडी के ब्लॉग भी बनाता था, मौजूदा समय उसके 2700 से अधिक फॉलोअर भी थे।

सोशल मीडिया पर सक्रिय था अमित

भाई अजीत ने बताया कि अमित रील बनाने का शौकीन था। अक्सर पत्नी और बच्चों के साथ रील बनाकर फेसबुक और इंस्टाग्राम पर पोस्ट करता था। पुलिस की जांच में मोबाइल और सोशल मीडिया अकाउंट में कई वीडियो और फोटो मिले हैं, जिनमें पूरा परिवार खुशहाल दिख रहा है। रील देखकर इस बात का कतई अंदाजा नहीं लगाया जा सकता कि वास्तविक जीवन में पति–पत्नी में इतनी कलह थी।

पत्नी और दो बेटियों की हत्या कर युवक ने की खुदकुशी

उत्तर प्रदेश के उन्नाव जिले में एक युवक ने पत्नी और दो मासूम बेटियों का कत्ल कर खुदकुशी कर ली। अवैध संबंध के शक में युवक ने पत्नी और दो मासूम बेटियों की सोते समय तकिया से मुंह दबाकर हत्या की। इसके बाद उसी कमरे में फंदे से लटक कर जान दे दी। सोमवार सुबह घटना की जानकारी पर एसपी, एएसपी ने फोरेंसिक टीम के साथ जांच की। महिला और उसकी दोनों बेटियों के शव एक ही चारपाई पर मिले। युवक का शव पास में छत के कुंडे से लटक रहा था। मोबाइल की जांच में पुलिस को साले को भेजा गया मैसेज मिला। इसमें लिखा था कि कोई गलती हो तो माफ करना। अचलगंज थाना क्षेत्र के साहबखेड़ा गांव निवासी अमित यादव (35) किसानी के साथ एक ट्रैक्टर एजेंसी में काम करता था। उसे शक था कि पत्नी गीता (30) के गांव के ही युवक से नजदीकी संबंध हैं। इसे लेकर दो मई को उसने पत्नी को पीटा भी था। गीता नाराज होकर बेटी निधि (6) और खुशी (10) को लेकर रायबरेली के थाना गुरुबक्शगंज के गांव परसन्नापुरवा स्थित मायके चली गई थी।

रविवार को ही पत्नी और बच्चियों को घर लाया था अमित

रविवार देर शाम अमित, पत्नी और बेटियों को लेकर घर लौटा था। अमित के छोटे भाई संदीप के मुताबिक, रामबक्शखेड़ा निवासी फुफेरे भाई की रविवार को ही रायबरेली के डलमऊ बरात गई थी। परिवार के ज्यादातर लोग बरात में गए थे। हालांकि अमित ने थके होने की बात कहकर बरात में जाने से मना कर दिया था।

रोशनदान से लाल गमछा और बाल दिखे

सोमवार सुबह करीब 7रू30 बजे पड़ोस के टिकरी गांव निवासी गल्ला व्यापारी कुछ लोगों का गेहूं खरीदने पहुंचा था। वह अमित के घर के बाहर पेड़ की छाया में खड़ा हो गया। इसी दौरान घर के रोशनदान पर पड़ा लाल गमछा और बाल दिखे। उसने आसपास मौजूद लोगों से चर्चा की, तो दरवाजा खटखटाया गया लेकिन न दरवाजा खुला और न कोई जवाब मिला।

पड़ोसी की छत से भाई के घर में पहुंचा अजीत

इसी दौरान बरात से लौटे छोटे भाई अजीत को जानकारी हुई तो वह पड़ोसी की छत से भाई के घर में पहुंचा। कमरे का नजारा देख वह चीख पड़ा। अमित का शव फंदे से लटक रहा था, जबकि भाभी गीता चारपाई पर मृत पड़ीं थीं। गीता के एक तरफ बड़ी बेटी और दूसरी ओर छोटी बेटी भी मृत मिली।

रिश्तेदार को व्हाट्सएप कॉल कर बताई थी करतूत

एसपी दीपक भूकर ने बताया कि अवैध संबंधों के शक में हत्या और फिर अमित ने खुदकुशी कर ली। अमित यादव ने खुदकुशी करने से पहले एक रिश्तेदार को व्हाट्सएप कॉल करके रोते हुए अपनी करतूत बताई थी। एसपी ने बताया कि सर्विलांस टीम, मृत दंपती के मोबाइल का पूरा डेटा खंगाल रही है।

विराट–अनुष्का प्रेमानंद महाराज से मिलने पहुंचे

महाराज ने विराट से पूछा– प्रसन्न हो, अनुष्का को राधा नाम जपने का उपदेश दिया

मथुरा। टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने के अगले दिन विराट पत्नी अनुष्का के साथ वृंदावन में प्रेमानंद महाराज से मिलने पहुंचे। टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने के अगले दिन विराट पत्नी अनुष्का के साथ वृंदावन में प्रेमानंद महाराज से मिलने पहुंचे। विराट कोहली टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने के अगले दिन मथुरा के वृंदावन पहुंचे। पत्नी अनुष्का शर्मा भी उनके साथ थीं। दोनों सुबह प्रेमानंद महाराज के केली कुंज आश्रम पहुंचे। दोनों ने प्रेमानंद महाराज को दंडवत प्रणाम कर आशीर्वाद लिया।

प्रेमानंद महाराज ने विराट और अनुष्का से पूछा– प्रसन्न हो? इस पर विराट ने मुस्कुराकर कहा– हां। महाराज ने दोनों को आशीर्वाद दिया– जाओ, खूब आनंदित रहो, नाम जप करते रहो। इस पर अनुष्का ने पूछा– बाबा क्या नाम जप से सबकुछ पूरा हो जाएगा? महाराज ने कहा– हां, सब पूरा होगा।

प्रेमानंद महाराज ने विराट–अनुष्का से करीब 7 मिनट बातचीत की

विराट और अनुष्का मथुरा के होटल रेडिसन में ठहरे हुए थे। दोनों सुबह 7.20 बजे प्रेमानंद महाराज के आश्रम पहुंचे थे। जानकारी के मुताबिक दोनों ने महाराज से करीब 7 मिनट तक अकेले में भी बातचीत की। प्रेमानंद आश्रम की तरफ से इस मुलाकात का पूरा वीडियो भी जारी किया गया है।

विराट तीसरी बाद वृंदावन पहुंचे, जनवरी में दो बार प्रेमानंद महाराज से मिले

विराट कोहली का वृंदावन का यह तीसरा दौरा था। इससे पहले वह 4 जनवरी 2023 और 10 जनवरी 2025 को वृंदावन आए थे। दोनों बार प्रेमानंद महाराज से मुलाकात की थी।

बेटी अदिति के फर्जी अकाउंट पर भड़के अखिलेश

मोदी–योगी की आपत्तिजनक फोटो पोस्ट हुई, बोले– परिवार को बदनाम करने की साजिश

लखनऊ। अखिलेश यादव के चचेरे भाई आदित्य यादव के बाद अब उनकी बेटी अदिति का फर्जी सोशल मीडिया अकाउंट बनाया गया है। जिससे पीएम मोदी और सीएम योगी की आपत्तिजनक तस्वीर पोस्ट की गई है। अखिलेश ने नाराजगी जाहिर करते हुए कहा, यह एक साजिश हो सकती है।

साइबर सिक्योरिटी सेल इसे 24 मिनट में भी ट्रेस कर सकती है, लेकिन 24 घंटे बाद भी ट्रेस नहीं किया गया। चार दिन पहले साइबर हैकरों ने शिवपाल यादव के बेटे आदित्य यादव का सोशल मीडिया अकाउंट हैक कर लिया था। सपा सांसद आदित्य के अकाउंट से भ्रामक वीडियो शेयर किए गए थे। आदित्य ने इसकी सूचना साइबर सेल को दे दी है। सपा प्रमुख ने 4 दिन पहले लखनऊ में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर भारत–पाकिस्तान तनाव के बीच अफवाहों पर ध्यान नहीं देने की बात कही थी।

अब जानिए पूरा मामला

अखिलेश ने बेटी अदिति के नाम से फेसबुक पर की गई आपत्तिजनक पोस्ट का स्क्रीन शॉट भी साझा किया। इसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की बेहद आपत्तिजनक तस्वीर पोस्ट की गई है। फोटो पर कैप्शन लिखा है– पिक्चर ऑफ द डे। स्क्रीन शॉट शेयर करते हुए अखिलेश ने ग पर लिखा– 24 घंटे पूरे हुए। इसे हमारी थ्ट से कम न समझा जाए। इसी बीच, हमारी नजर में ऐसी कई पोस्ट आईं हैं, जो बेहद आपत्तिजनक हैं। यहां तक कि हमारे परिवार और पार्टी के नेताओं और हमसे जुड़े हुए लोगों के मिलते–जुलते नाम और तस्वीरों का दुरुपयोग करके कुछ असामाजिक तत्व बेहद निंदनीय सोशल मीडिया पोस्ट और सामग्री प्रकाशित कर रहे हैं।

अखिलेश बोले– ये कुछ शातिर लोगों का राजनीतिक मंसूबा

अखिलेश ने कहा, ऐसी तस्वीरों, विचारों से हमारा कोई भी लेना–देना नहीं है। ये सब एक साजिश के तहत किया जा रहा है, जिसके पीछे या तो कुछ शातिर लोगों का राजनीतिक या आर्थिक मंसूबा है या फिर उन लोगों की अनभिज्ञता है जो नहीं जानते हैं ।

पत्नी का सिर काटकर रामगंगा में फेंका..

मुरादाबाद में युवक ने की हत्या, ढूंढने का करता रहा नाटक

मुरादाबाद। युवक ने पत्नी की गर्दन काटकर रामगंगा नदी में फेंक दी। बॉडी को घर में गड्ढा खोदकर दफन कर दिया। इसके बाद पत्नी को लापता बताकर ढूंढने का नाटक करता रहा। पुलिस ने युवक को हिरासत में लेकर कड़ाई से पूछताछ की तो वह टूट गया। पत्नी की हत्या करने की बात कबूल कर ली। मामला मझोला थाना क्षेत्र के टीपी नगर का है। पुलिस ने युवक की निशानदेही पर पुलिस ने घर की सीढ़ियों के नीचे से पत्नी की डेडबॉडी बरामद की।

जानिए पूरा घटनाक्रम

भगतपुर थाना क्षेत्र के गांव चूहा नगला निवासी शहादत की पत्नी ने मझोला थाने में बेटी तबस्सुम की गुमशुदगी दर्ज कराई थी। इसमें बताया था कि मेरी बेटी तबस्सुम का दूसरा निकाह शाने अलम उर्फ रेहान के साथ किया था। तबस्सुम के पहले पति ने उसे टीपी नगर स्थित जन्नत बाग में एक मकान खरीद कर दिया था। ये मकान तबस्सुम के नाम था।

12 मई से तबस्सुम अचानक लापता

तबस्सुम अपने दूसरे पति मैनाठेर के गांव डींगरपुर निवासी शाने अलम उर्फ रेहान के साथ टीपी नगर के इसी मकान में रहती थी। रेहान इस मकान को बेचना चाहता था। इसके लिए वो तबस्सुम पर लगातार दबाव बना रहा था। इसी बात को लेकर दोनों के बीच आए दिन झगड़ा हो रहा था। 12 मई को तबस्सुम अचानक लापता हो गई। उसका कुछ पता नहीं चल रहा।

भारत के 52वें CJI बने जस्टिस भूषण रामकृष्ण गवई

न्यायमूर्ति भूषण रामकृष्ण गवई ने बुधवार को भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) का पद संभाल लिया। उन्हें राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शपथ ग्रहण कराई। सीजेआई बीआर गवई ने राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति के अलावा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद और अन्य गणमान्य लोगों का अभिवादन स्वीकार किया।

- 1987 बॉम्बे हाईकोर्ट में वकालत की
- 2000 बॉम्बे हाईकोर्ट में जज बने
- 2019 24 मई को बने सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस
- 2019 370 पर केंद्र सरकार का फैसला बरकरार रखा
- 2024 चुनावी बॉन्ड को रद्द करने का फैसला सुनाया
- 2025 23 नवंबर को है रिटायरमेंट
- 700 से ज्यादा बेंचों का हिस्सा रहे
- 300 से अधिक फैसलों को लिख चुके हैं

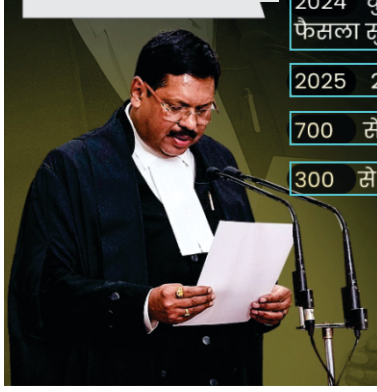

न्यायमूर्ति भूषण रामकृष्ण गवई बने भारत के नए प्रधान न्यायाधीश

महिला अफसर के खिलाफ भाजपा के मंत्री की टिप्पणी घृणित...

लखनऊ। बसपा सुप्रीमो मायावती ने मध्य प्रदेश सरकार में मंत्री विजय शाह की कर्नल सोफिया कुरैशी पर की गई टिप्पणी पर सख्त आपत्ति दर्ज कराई है और उनके खिलाफ भाजपा से कार्रवाई करने की अपील की है। बसपा सुप्रीमो मायावती ने मध्य प्रदेश सरकार के मंत्री विजय शाह की सेना की महिला अधिकारी कर्नल सोफिया कुरैशी पर टिप्पणी को घृणित और असभ्य करार दिया है। उन्होंने कहा कि ऐसे मंत्री पर सख्त कार्रवाई होनी चाहिए जिससे कि देश का आपसी भाईचारा और समरसता बिगड़ने न पाए।

उन्होंने एक्स पर कहा कि पहले विदेश सचिव और फिर उसके बाद सेना की महिला अफसर के प्रति घृणित, असभ्य व अमर्यादित टिप्पणी, वास्तव में जोश व उमंग के उस पूरे अच्छे माहौल को नष्ट करने वाली है जो पूरा देश भारतीय सेना की पाकिस्तान के विरुद्ध ऑपरेशन सिंदूर की सफलता से उत्साहित है। यह अति–दुखद व शर्मनाक है। इस क्रम में मध्य प्रदेश के एक वरिष्ठ मंत्री द्वारा मुस्लिम महिला सेना प्रवक्ता के संबंध में की गई अभद्र टिप्पणी को भाजपा व केन्द्र सरकार गंभीरता से लेकर उनके विरुद्ध सख्त कार्रवाई जरूर करे।

अमित शाह और अर्जुन राम मेघवाल ने राष्ट्रपति मुर्मू से की मुलाकात

504 घंटे में पाकिस्तान की कैद से यूं हुई BSF जवान की रिहाई

पंजाब के फिरोजपुर में अंतरराष्ट्रीय बॉर्डर पर गलती से पाकिस्तानी सीमा में प्रवेश करने वाले बीएसएफ जवान पूर्णम कुमार शॉ की बुधवार को रिहाई हो गई है। वे सकुशल वापस पहुंच गए हैं। शॉ की सुरक्षित रिहाई के लिए बीएसएफ ने अथक प्रयास किया था। पाकिस्तान की कैद से 504 घंटे में हुई बीएसएफ जवान की रिहाई के लिए छह से अधिक फ्लैग मीटिंग की गई तो वहीं अंतरराष्ट्रीय बॉर्डर पर 84 बार सीटी बजाई गई थी। सीओ लेवल की मीटिंग के अलावा बीएसएफ और रेंजर्स के शीर्ष अधिकारियों ने भी इस मुद्दे पर बातचीत की।

'चौराहों पर लगाएं मिलावटखोरों व नकली दवा कारोबारियों की तस्वीरें...': CM योगी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग की बैठक में कहा कि मिलावटखोरी सामाजिक अपराध है। ऐसे लोगों की तस्वीरें चौराहों पर लगाई जाएं जिससे कि जनता के बीच इन लोगों के प्रति नकारात्मक संदेश जाए।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने खाद्य पदार्थों में मिलावट और नकली दवाओं के कारोबार को 'सामाजिक अपराध' करार देते हुए कहा कि यह जनस्वास्थ्य से जुड़ा गंभीर विषय है, जिससे किसी भी प्रकार का समझौता नहीं होना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि राज्य सरकार की 'जीरो टॉलरेंस' नीति के तहत मिलावटखोरों, नकली दवाओं के कारोबारी नेटवर्क और इस अपराध में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध सख्त व निर्णायक कार्रवाई की जाए।

मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि ऐसे लोगों को सार्वजनिक रूप से चिन्हित किया जाए और उनकी तस्वीरें प्रमुख चौराहों पर लगाई जाएं, ताकि जनता भी उन्हें पहचान सके और समाज में उनके प्रति नकारात्मक संदेश जाए। मुख्यमंत्री ने बुधवार को खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन (एफएसडीए) विभाग की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में निर्देश दिया कि तेल, घी, मसाले, दूध और पनीर जैसी दैनिक उपभोग की वस्तुओं की जांच यथासंभव उत्पादक इकाई पर ही की जाए। दूध व दुग्ध उत्पादों की विशेष रूप से सघन जांच के लिए समर्पित टीमें बनाई जाएं जो लगातार निगरानी रखें।

साथ ही पेशेवर रक्तदाताओं की पहचान कर इस पर भी प्रभावी नियंत्रण स्थापित किया जाए। नकली औषधियों के कारोबार पर प्रभावी नियंत्रण के लिए मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि पुलिस के साथ विभागीय समन्वय को और बेहतर बनाया जाए ताकि प्रवर्तन कार्यवाहियों की गुणवत्ता और प्रभावशीलता सुनिश्चित हो सके। औषधियों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए की जा रही कार्रवाइयों की समीक्षा भी बैठक में की गई।

सफलता की अगली सीढ़ी चढ़ेंगे होनहार

कोई डाक्टर तो कोई IAS अफसर बनकर करना चाहता है देश सेवा

सीबीएसई 10वीं व 12वीं का परिणाम मंगलवार को जारी 12वीं परीक्षा परिणाम में जिले की छात्राएं आगे

सीबीएसई 10वीं व 12वीं का परीक्षा परिणाम मंगलवार को जारी हुआ। बीते साल की तरह इस साल भी 12वीं परीक्षा परिणाम में जिले की छात्राएं आगे रहीं। अब जिले की टापर छात्राएं सफलता की अगली सीढ़ी चढ़ने की तैयारी में है। वहीं 10वीं में 99.99 प्रतिशत परीक्षा परिणाम के साथ जिला सीबीएसई के नोएडा क्षेत्र में तीसरे स्थान पर रहा। वहीं 12वीं में दूसरे स्थान पर है।

संवाददाता, साहिबाबाद। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा परिषद (सीबीएसई) के हाईस्कूल व इंटरमीडिएट के मेधावियों ने अपनी क्षमता के अनुसार सपने भी संजो रखे हैं। कोई डॉक्टर बनना चाहता है तो कोई आईएएस अधिकारी बनकर देश सेवा करना चाहता है। वह अब अपने सपनों को उड़ान देने की तैयारी में जुट गए हैं। इसके लिए विभिन्न प्रवेश परीक्षाएं भी दे रहे हैं।

इंजीनियर बनना चाहती हैं रुपसा पान

सेंट टेरेसा स्कूल की छात्रा रुपसा पान ने इंटरमीडिएट में विज्ञान वर्ग में 99.4 प्रतिशत अंक प्राप्त किए हैं। वसुंधरा सेक्टर गार्डिया ग्लैमर में रहने वालीं रुपसा के पिता पुरनेंदु शेखर पान इंजीनियर हैं। माता रूना ग्रहणी हैं। वह सामान्य दिनों में रोजाना चार से छह घंटे ही पढ़ाई करती थीं। वहीं, परीक्षा के समय में छह से आठ घंटे रोजाना पढ़ाई करती थीं। उनका कहना है कि पढ़ाई के लिए कभी घंटे नहीं देखने चाहिए।

जो भी स्कूल में रोजाना पढ़ाया जाए उसे तैयार करते रहें। उसी से अच्छे अंक प्राप्त किए जा सकते हैं। अच्छे नंबर आने में शिक्षकों का अहम योगदान रहा। सोशल मीडिया का दिनभर में एक–दो घंटे पढ़ाई करती थी। रुपसा का सपना इलेक्ट्रिकल इंजीनियर करना चाहते हैं। वह आइआइटी मुंबई से पढ़ना चाहती हैं।

आपत्तिजनक हालत में मिले प्रेमी युगल...

युवक का किया ऐसा हश्र, कांप गई रूह, प्राइवेट पार्ट में मारी गोली

कासगंज । उत्तर प्रदेश के कासगंज जिले से सनसनीखेज वारदात सामने आई है। यहां एक युवक की बर्बरता से हत्या कर दी गई। युवक को प्रेमिका के साथ आपत्तिजनक हालत में देखने के बाद आरोपियों ने वारदात को अंजाम दिया। कासगंज के पटियाली के सिकंदरपुर वैश्य क्षेत्र में प्रेम प्रसंग के चलते एक 20 वर्षीय युवक अंकुर की गोली मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और तीन संदिग्धों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया है। नरदोली गांव के निवासी अंकुर सोमवार रात करीब नौ बजे पशुओं की रखवाली के लिए खेत में बने घेर पर जाने की बात कहकर घर से निकला था। सुबह जब उसके बड़े भाई कुलदीप और राजीव खेत से लौटे, तो अंकुर घेर पर नहीं मिला।

घर पर भी न पाकर चिंतित भाइयों ने उसकी तलाश शुरू की। तभी उन्हें गांव से लगभग आधा किलोमीटर दूर एक युवक का शव पड़े होने की सूचना मिली। आशंका के चलते परिजन तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे और अपने भाई का शव देखकर स्तब्ध रह गए।शव की सूचना पर बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर जमा हो गए और पुलिस को सूचित किया। सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक अंकिता शर्मा, अपर पुलिस अधीक्षक राजेश भारती और क्षेत्राधिकारी राज कुमार पांडेय भी घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा और फोरेंसिक टीम को बुलाकर साक्ष्य एकत्र किए।

अलग–अलग पड़ा मिला सामान

मृतक अंकुर का सामान रास्ते में अलग–अलग स्थानों पर बिखरा मिला। सबसे पहले साइकिल मिली, उसके बाद गमछा और कुछ दूरी पर घड़ी पाई गई। सामान देखकर परिजन आगे बढ़ते गए और शव तक पहुंचे।

नेपाली मॉडल की खून से लथपथ लाश मिली थी

शरीर के दो टुकड़े हुए, सिर भी धड़ से लटक रहा था, कनाडा जाने से नाराज था जेठ

मुम्बई। नेपाल की मशहूर मॉडल अंजना लामा के मायके कॉल कर जल्द से जल्द ससुराल आने को कहा गया। जैसे ही परिवार पहुंचा तो घर के बाहर पुलिस और पड़ोसियों की भीड़ इकट्ठा थी। ससुराल वाले रोते–बिलखते दरवाजे पर बैठे थे। तभी एक पुलिसवाला अंजना के पिता के पास पहुंचा और उनसे कमरे में चलने को कहा। जैसे ही अंजना के पिता कमरे में पहुंचे तो मंजर भयावह था। वो तुरंत मुंह पर हाथ रख घबराए हुए वहां से बाहर निकल आए। उस बेतरतीब कमरे में अंजना की टुकड़ों में कटी लाश बिस्तर से लटक रही थी। सिर, धड़ से सिर्फ एक नस के सहारे जुड़ा था। अंजना का आधा शरीर बिस्तर पर और आधा जमीन की तरफ लटक रहा था। उनका दाहिना हाथ बीच से काटा गया था, जो लाश से चंद कदमों की दूरी पर ही कटा पड़ा था। एक टांग भी धड़ से अलग दूर पड़ी थी। कमरा–बिस्तर खून से लथपथ था और दीवारों पर भी हर तरफ छींटे थे। अंजना के चेहरे पर चाकू के इतने जख्म थे कि खाल नजर तक नहीं आ रही थी। अंजना नेपाल की मशहूर मॉडल थीं। वो जल्द ही पति के साथ कनाडा शिफ्ट होने वाली थीं। ऐसे में हर किसी का सवाल ये था कि आखिर उनके अपने घर और कमरे में घुसकर इतने वीभत्स हत्याकांड को किसने अंजाम दिया होगा और क्यों? 26 अप्रैल 1995 को अंजना लामा का जन्म नेपाल के हेटौडा में हुआ था। तीन भाई–बहनों में सबसे बड़ी अंजना बेहद खूबसूरत थीं। अंजना 11वीं क्लास में थीं, जब एक कॉमन दोस्त के जरिए उनकी प्रज्जवल महत से मुलाकात हुई। अंजना लामा, तमंग जाति की थीं, जबकि प्रज्जवल क्षेत्री जाति के थे, जो अपर कास्ट में आते थे। उनका परिवार ललितपुर में रहता था, हालांकि वो नौकरी के सिलसिले में 100 किलोमीटर दूर हेटौडा में रहते थे।

कास्ट डिफरेंस के बावजूद दोनों की दोस्ती बढ़ते हुए प्यार में बदल गई। करीब 2 साल तक रिलेशनशिप में रहने के बाद दोनों ने शादी का फैसला कर लिया। जैसे ही ये खबर दोनों के घरवालों तक पहुंची तो खूब हंगामा हुआ। दोनों ही परिवार इस शादी के खिलाफ थे। ये शादी रोकने के लिए अंजना पर परिवार ने कई तरह की पाबंदियां लगा दीं।

आलिया को नेपो किड कहने वालों पर भड़के करण

मुम्बई। फिल्ममेकर करण जौहर ने उन लोगों को करारा जवाब दिया है जो अब भी आलिया भट्ट को नेपो किड कहकर बुलाते हैं। एक इंटरव्यू में उन्होंने साफ कहा कि अब वह नेपोटिज्म की इस बहस से तंग आ चुके हैं।

गलाटा प्लस के साथ बातचीत में करण जौहर ने कहा, क्या आपने हाइवे देखी है? क्या आपने उड़ता पंजाब देखी है? क्या आपने राजी देखी है? क्या आपने गंगूबाई देखी है? सिर्फ उसकी फिल्में देखिए। अगर इसके बाद भी आप उसे नेपो किड कह रहे हैं, तो आप इस दुनिया के सबसे मूर्ख इंसान हैं और फिर कोई आपकी मदद नहीं कर सकता।

स्टार किड को लॉन्च करने पर भी करण जौहर ने कहा, मैं स्टार किड्स के टैलेंट में विश्वास जारी रखूंगा। क्या मैं बॉलीवुड की नफरत का चेहरा हूं और अगर हां तो मुझे ये टैग देने के लिए थैंक्यू। लेकिन क्या मैं इसके लायक हूं? मुझे नहीं लगता कि मैं इस टैग के लायक हूं।

करण जौहर और आलिया भट्ट के बीच रिश्ता सिर्फ पेशेवर नहीं है, बल्कि उससे कहीं ज़्यादा गहरा और व्यक्तिगत है। करण आलिया को अपनी बेटी की तरह मानते हैं। उन्होंने ही आलिया को स्टूडेंट ऑफ द ईयर से डेब्यू करवाया था। म्यूजिक के साथ एक पुराने इंटरव्यू में करण ने कहा था, ष्वो पहली इंसान है, जिसे लेकर मुझे पैरेंटल फीलिंग आई। मैं उससे प्यार करता हूं, और देश जानता है कि वो हमारी सबसे बेहतरीन अभिनेत्रियों में से एक है।

आलिया भट्ट ने किया था कांस डेब्यू कैंसिल

78वें कांस फिल्म फेस्टिवल के पहले दिन यानी 14 मई को आलिया भट्ट कांस के रेड कार्पेट पर डेब्यू करने वाली थीं, हालांकि उन्होंने डेब्यू कैंसिल कर दिया था। इंडिया टुडे की रिपोर्ट के अनुसार, आलिया ने भारत–पाकिस्तान के बीच चल रहे तनाव के चलते ये फैसला लिया था। उन्हें इस सेंसिटिव टाइम में कांस का हिस्सा बनना ठीक नहीं लग रहा था।

डेनिम लुक में स्टाइलिश दिखीं राशा थडानी, सेलेब्स भी कर रहे तारीफ

'वार 2'

फैंस को बड़ा तोहफा देने की तैयारी में मेकर्स

एंटरटेनमेंट डेस्क। 'वॉर 2' के मेकर्स फैंस को एक खास तोहफा देने की तैयारी कर रहे हैं। वो फिल्म के टीजर को रिलीज करने की प्लानिंग कर रहे हैं। मेकर्स टीजर को एक खास दिन पर रिलीज करने की सोच रहे हैं। ऋतिक रोशन और जूनियर एनटीआर की फिल्म 'वॉर 2' का दर्शक बड़ी ही बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। 'वॉर 2' इस साल की मोस्ट अवेटेड फिल्मों में से एक है। इसलिए मेकर्स भी इस फिल्म को बड़े स्तर पर बनाने की तैयारी कर रहे हैं। अब फिल्म को लेकर एक जानकारी सामने आ रही है। मेकर्स फिल्म के टीजर को लेकर फैंस को एक शानदार तोहफा देने की प्लानिंग कर रहे हैं।

जूनियर एनटीआर के फैंस को तोहफा देने की तैयारी में मेकर्स

'वॉर 2' में ऋतिक रोशन के साथ टॉलीवुड सुपरस्टार जूनियर एनटीआर के होने से फिल्म को लेकर साउथ में भी जबरदस्त क्रेज है। यही कारण है कि मेकर्स दोनों तरफ के दर्शकों को लुभाना चाहते हैं। अब अगस्त में रिलीज होने वाली फिल्म के टीजर को लेकर मेकर्स प्लानिंग कर रहे हैं। मेकर्स जूनियर एनटीआर के फैंस को एक खास तोहफा देना चाहते हैं। इसलिए 'वॉर 2' के टीजर को जूनियर एनटीआर के जन्मदिन के मौके पर लाने की प्लानिंग कर रहे हैं। जूनियर एनटीआर का जन्मदिन 20 मई को होता है। ऐसे में उम्मीद है कि मेकर्स 20 मई को 'वॉर 2' का टीजर जारी कर सकते हैं।

14 अगस्त को रिलीज होनी है फिल्म

अयान मुखर्जी द्वारा निर्देशित यशराज फिल्म के स्पाई यूनिवर्स का हिस्सा 'वॉर 2' 14 अगस्त को रिलीज होनी है। इस फिल्म में ऋतिक रोशन और जूनियर एनटीआर के अलावा कियारा आडवाणी भी प्रमुख भूमिका में नजर आएंगी।

चित्रांगदा सिंह का दिखा सिजलिंग लुक, सेलेब्स ने भी किया कमेंट

'अपने ही बच्चों से नहीं मिल सकता'

एंटरटेनमेंट डेस्क। साउथ के मशहूर एक्टर रवि मोहन इन दिनों अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर सुर्खियों में हैं। अब उन्होंने अपनी पूर्व पत्नी आरती रवि के आरोपों को खारिज किया है। उन्होंने अपने टूटे रिश्ते की सच्चाई अब एक पोस्ट के जरिए बयां की है।

'मेरी चुप्पी को मेरा अपराध समझा गया। मैंने अपने बच्चों को नहीं छोड़ा। अपने ही बच्चों से मैं नहीं मिल सकता। अपने माता–पिता से मिलने की इजाजत नहीं है। एक पिता और बेटा होने के नाते यह सबसे दर्दनाक अनुभव है। मुझे भावनात्मक और आर्थिक रूप से प्रताड़ित किया गया। मैं पूरी तरह से टूट चुका था जब केनिशा मेरी लाइफ में आई। वो मेरी जिंदगी है।'

साउथ एक्टर जयम रवि उर्फ रवि मोहन की यह बातें उनके टूटते रिश्ते की कहानी को बयां करती हैं। उन्होंने अपने पूर्व पत्नी आरती रवि के उन आरोपों का लंबे–चौड़े पोस्ट के जरिए जवाब दिया है। इमोशनल होकर अभिनेता ने अपनी शादीशुदा जिंदगी में आए भूचाल पर बात की है।

पूर्व पत्नी पर रवि मोहन का आरोप

अभिनेता ने अपने पोस्ट में इस बात का जिक्र किया है कि उन्होंने अपने रिश्ते को बचाने की पूरी कोशिश की लेकिन इमोशनल और फाइनेंशियल तौर पर वो बहुत परेशान हो गए थे। रवि मोहन ने लिखा, 'मैं सालों से एक ऐसे रिश्ते में बंधा था जो मुझे मानसिक रूप से तोड़ रहा था। हालात इतने बिगड़ गए कि मैंने अपने आत्मसम्मान को बचाने के लिए अलग होना ही बेहतर समझा।'

मानसिक रूप से थक चुके थे कोहली...

विराट के टेस्ट से संन्यास पर पूर्व कोच रवि शास्त्री का बयान

स्पोर्ट्स डेस्क। रवि शास्त्री ने खुलासा किया कि कोहली द्वारा संन्यास का फैसला सार्वजनिक करने से कुछ समय पहले उन्होंने उनसे बात की थी। कोहली के संन्यास के

चार दिन बाद रवि शास्त्री का बयान आया है। उन्होंने आईसीसी रिव्यू में ये बातें कही हैं। विराट कोहली के टेस्ट से संन्यास ने पूरी दुनिया को चौंका कर रख दिया। इस बल्लेबाज ने 12 मई को इंस्टाग्राम के जरिये संन्यास की घोषणा की। हालांकि, भारतीय टीम के पूर्व कोच रवि शास्त्री को लगता है कि इस स्टार बल्लेबाज में लंबे प्रारूप में खेलने के लिए दो–तीन साल और बचे थे। शास्त्री ने कहा कि वह विराट कोहली के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने के फैसले से हैरान थे। उनका कहना है कि लगातार आलोचना से कोहली मानसिक रूप से थक चुके थे।

कोहली ने भारत के लिए 123 टेस्ट मैच खेले

कोहली ने 123 टेस्ट मैचों में भारत का प्रतिनिधित्व किया, जिसमें 46.85 की औसत से 9,230 रन बनाए और इसमें 30 शतक और 31 अर्धशतक शामिल हैं। शास्त्री ने खुलासा किया कि कोहली द्वारा संन्यास का फैसला सार्वजनिक करने से कुछ समय पहले उन्होंने उनसे बात की थी।

कोहली की हुई थी रवि शास्त्री से बात

शास्त्री ने आईसीसी रिव्यू के एक एपिसोड में कहा, श्मैंने उनसे इस बारे में बात की थी। मुझे लगता है कि उनके संन्यास की घोषणा से एक सप्ताह पहले उनका दिमाग बहुत स्पष्ट था। उन्हें कोई पछतावा नहीं है। विराट ने मुझे चौंका दिया क्योंकि मुझे लगा कि उनमें टेस्ट क्रिकेट के लिए कम से कम दो–तीन साल बाकी हैं, लेकिन फिर जब आप मानसिक रूप से थके हुए होते हैं तो यही आपके शरीर को बताता है। आप शारीरिक रूप से इस क्षेत्र में सबसे फिट व्यक्ति हो सकते हैं।

...लेकिन मानसिक रूप से आप थक जाते हैं

शास्त्री ने कहा, आप अपनी टीम के आधे से अधिक खिलाड़ियों से अधिक फिट हो सकते हैं, लेकिन मानसिक रूप से आप थके हैं तो यह शरीर को एक संदेश भेजता है। आप जानते ही हैं। अपनी बातचीत के बारे में बताते हुए शास्त्री ने कहा कि कोहली का आकर्षक व्यक्तित्व और लगातार सुर्खियों में रहने के कारण वह बर्नआउट (थकान) हो गए।

दुनिया भर में कोहली के काफी प्रशंसक

उन्होंने कहा, उन्हें दुनिया भर में प्रशंसा मिली है। पिछले दशक में किसी भी अन्य क्रिकेटर की तुलना में उनके पास अधिक प्रशंसक हैं। चाहे वह ऑस्ट्रेलिया हो, चाहे वह दक्षिण अफ्रीका हो, उन्होंने लोगों को खेल देखने के लिए प्रेरित किया।

कोहली ने मैदान पर अपना शत प्रतिशत दिया

शास्त्री ने कहा, अगर उन्होंने कुछ करने का फैसला किया तो उन्होंने अपना शत प्रतिशत दिया जिसकी बराबरी करना आसान नहीं है। शास्त्री ने कोहली के साथ भारतीय टेस्ट क्रिकेट इतिहास में सबसे सफल कोच–कप्तान की जोड़ी बनाई।

कोहली कभी आराम से नहीं बैठते...

उन्होंने कहा, एक खिलाड़ी अपना काम करता है, फिर आप आराम से बैठ जाते हैं। लेकिन कोहली के साथ ऐसा है कि जब टीम आउट हो जाती है तो ऐसा लगता है जैसे उन्हें सभी विकेट लेने हैं, उन्हें सभी कैच लेने हैं, उन्हें मैदान पर सभी फैसले लेने हैं। इतनी अधिक भागीदारी, मुझे लगता कि अगर वह आराम नहीं करता है तो कहीं वह बर्नआउट होने वाले हैं।

मुम्बई। आईपीएल मीडिया विज्ञप्ति में कहा गया, मयंक यादव को पीठ में चोट लगी है और वह बचे सत्र से बाहर हो गए हैं। न्यूजीलैंड के विलियम ओ रुर्के बचे हुए टूर्नामेंट के लिए लखनऊ सुपर जाएंट्स में उनकी जगह लेंगे। आईपीएल 2025 जब रोका गया था, तब लखनऊ सुपर जाएंट्स की टीम को इस बात की राहत थी कि उनके पास सभी खिलाड़ी फिट मौजूद हैं। तब एलएसजी को वापसी की उम्मीद थी, लेकिन अब इन उम्मीदों को झटका लगा है। दरअसल, भारत के सबसे तेज गेंदबाज मयंक यादव की पीठ में चोट लगने के कारण लीग के बचे मैचों से बाहर होना पड़ा। इस वजह से बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (पूर्व में एनसीए) पर सवाल उठने शुरू हो गए हैं। फैंस यह पूछ रहे हैं कि उन्हें फिटनेस सर्टिफिकेट दे कैसे दिया गया। आईपीएल मीडिया विज्ञप्ति में कहा गया, श्मयंक यादव को पीठ में चोट लगी है और वह बचे सत्र से बाहर हो गए हैं।श न्यूजीलैंड के विलियम ओ रुर्के बचे हुए टूर्नामेंट के लिए लखनऊ सुपर जाएंट्स में उनकी जगह लेंगे। 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' (सीओई) में छह महीने के रिहैबिलिटेशन के बाद वापसी करने वाले मयंक ने दो मैच में आठ ओवरों में 100 रन दिए और सिर्फ दो विकेट लिए। उन्होंने कुल मिलाकर 48 गेंदें फेंकीं। मयंक सीओई से फिटनेस सर्टिफिकेट मिलने के बाद 16 अप्रैल को लखनऊ की टीम से जुड़े थे। फिर उन्हें 27 अप्रैल को मुंबई इंडियंस के खिलाफ मैच खेलने को मिला था। फिर वह चार मई को पंजाब किंग्स के खिलाफ उतरे थे। इसके बाद नौ मई को आईपीएल को स्थगित किया गया।

दी नेक्स्ट पोस्ट

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक बृजेन्द्र कुमार द्वारा फाइन ऑफसेट प्रिन्टर्स मदरसा हुसैनिया बिल्डिंग बक्सीपुर गोरखपुर से मुद्रित एवं 665 बी गंगा टोला, निकट जानकी बिल्डिंग मैटेरियल बसारतपुर पश्चिमी, गोरखपुर से प्रकाशित। पिनः– 273003

Tital code: UPHIN51019

बृजेन्द्र कुमार

मो0. नं0. 7307180148,9170772370

Email- thenextpost01@gmail.com

नोटः- समाचार पत्र से सम्बन्धित सभी वाद-विवाद गोरखपुर जिला न्यायालय के अन्तर्गत मान्य होगे।

कप्तान नहीं बने बुमराह तो टीम में क्या होगी उनकी भूमिका

स्पोर्ट्स डेस्क। अगर बुमराह को कप्तान नहीं बनाया गया है तो गंभीर–गिल की जोड़ी और गुजरात के इस तेज गेंदबाज पर भी टीम को सही दिशा में ले जाने की जिम्मेदारी होगी। रोहित शर्मा के टेस्ट से संन्यास लेने के बाद से इस प्रारूप में टीम इंडिया के नए कप्तान को लेकर जद्दोजहद जारी है। शुभमन गिल इस रेस में सबसे आगे हैं, लेकिन कई पूर्व क्रिकेटरों ने जसप्रीत बुमराह को कप्तान नियुक्त करने की मांग की है। हालांकि, चयनकर्ता और टीम मैनेजमेंट इस मामले पर अंतिम फैसला लेंगे। गिल अगर कप्तान बनते भी हैं तो भी टीम में बुमराह की भूमिका अहम होगी। बुमराह अपने दम पर कोई भी मैच पलटने की क्षमता रखते हैं और लीडरशिप ग्रुप में उनका रहना तय है। उनके मामले में गंभीर और गिल को सूझबूझ दिखानी होगी।

सिडनी में कप्तानी की दौड़ में पिछड़ गए बुमराह

भारतीय टीम की कप्तानी की दौड़ में जसप्रीत बुमराह सबसे आगे थे, लेकिन सिडनी में चार जनवरी की दुर्भाग्यपूर्ण सुबह के बाद से वह धीरे धीरे पिछड़ते चले गए। कप्तानी की भूमिका उनके लिए ही थी, लेकिन कुछ महीने पहले वह पीठ के स्कैन के लिए चुपचाप सिडनी क्रिकेट मैदान से चले गए थे। बुमराह की अनुपस्थिति में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अंतिम टेस्ट में भारत की जीत की जरा सी भी उम्मीद धूमिल हो गई, लेकिन इस चोट ने भारत के दीर्घकालिक टेस्ट कप्तान बनने की उनकी संभावनाओं को भी झटका दिया।

मांजरेकर–गावस्कर चाहते हैं बुमराह कप्तान बनें

पूर्व भारतीय टेस्ट खिलाड़ी संजय मांजरेकर ने अपने 'एक्स' हैंडल पर लिखा, श्मैं हैरान हूं कि हम टेस्ट कप्तान के रूप में बुमराह के अलावा किसी और विकल्प पर विचार कर रहे हैं। उनकी चोटों के बारे में चिंतित हैं? तो अपने उप–कप्तान को सावधानी से चुनें।श इसके अलावा सुनील गावस्कर और के श्रीकांत भी बुमराह को कप्तान बनाने की मांग कर रहे हैं। सिद्धिविनायक मंदिर में पूजा करने के लिए मुंबई पहुंचे मुख्य कोच गौतम गंभीर की मौजूदगी ने अफवाहों को हवा दे दी कि शुभमन गिल अब भी नेतृत्व की भूमिका के लिए तैयार नहीं हैं।

गंभीर के अपने रुख से पीछे हटने की कम संभावना

कुछ दिन पहले मुख्य कोच के साथ दिल्ली में नए कप्तान की लंबी बैठक के बाद चयनकर्ताओं या गंभीर के अपने रुख से पीछे हटने की बहुत कम संभावना है। पर ऐसी अफवाहें थीं कि भारतीय क्रिकेट को चलाने वाले प्रभावशाली लोग गिल की अचानक पदोन्नति से खुश नहीं हैं, लेकिन यह मानना पूरी तरह से मूर्खतापूर्ण होगा कि पंजाब के बल्लेबाज को अगले टेस्ट कप्तान के रूप में चुने जाने से पहले इन ताकतवर लोगों को विश्वास में नहीं लिया गया था।

बुमराह के लिए लगातार पांच टेस्ट खेलना होगा मुश्किल

बुमराह अब 31 वर्ष के हो चुके हैं और ऐसी स्थिति में आ गए हैं जहां भारतीय टीम की स्थायी कप्तानी दूर का सपना लग सकता है और जानकारों की राय के आधार पर उनके लिए लगातार पांच टेस्ट खेलना मुश्किल होगा। बुमराह की बात की जाए तो चयनकर्ताओं के पास बहुत ही सहज नेतृत्व मौजूद था, लेकिन उनकी चिंता भी समझ में आती है। ब्रेकडाउन की स्थिति में क्या होता है। रिपोर्ट्स में तो यहां तक खबरें आई हैं कि बुमराह खुद ही यह स्वीकार कर चुके हैं कि उनका पांचों टेस्ट में खेलना संभव नहीं है। इसलिए कोई ऐसा कप्तान बने जो लगातार पांच मैचों में कप्तान रहे।

बुमराह दो बार काफी समय तक क्रिकेट से दूर रहे

मैदान पर होने वाली चोटों को नियंत्रित नहीं किया जा सकता है, लेकिन स्ट्रेस फ्रैक्चर (पीठ), साइड स्ट्रेन, घुटने और हैमस्ट्रिंग से जुड़ी परेशानियां जो तेज गेंदबाजों को होती हैं, ये सभी फिटनेस से जुड़ी समस्याओं का हिस्सा हैं। सिडनी में जनवरी की एक सुबह चोट लगने के कारण बुमराह तीन महीने के लिए बाहर हो गए। इससे पहले 2022 में ऑस्ट्रेलिया में होने वाले टी20 विश्व कप से ठीक पहले मैदान पर ब्रेकडाउन के कारण वह 11 महीने तक खेल से बाहर रहे।

बुमराह को लेकर गंभीर–गिल को दिखानी होगी सूझबूझ

अगर बुमराह को कप्तान नहीं बनाया गया है तो गंभीर–गिल की जोड़ी और गुजरात के इस तेज गेंदबाज पर भी टीम को सही दिशा में ले जाने की जिम्मेदारी होगी। बुमराह को बहुत ज्यादा तकनीकी मदद की जरूरत नहीं है क्योंकि रविचंद्रन अश्विन की तरह यह गेंदबाज भी अपनी कला को लेकर बहुत आश्वस्त है। उन्हें कोचिंग की जरूरत नहीं है, लेकिन उसे यह समझने की जरूरत है कि वह कैसे काम करते हैं। साथ ही यह भी देखना होगा कि अहं की लड़ाई न हो और गिल ठंडे दिमाग से फैसले लें।

रोहित टीम में सीनियर थे और उनका गुस्सा भी खिलाड़ियों को झेलने में बुरा नहीं लगा, लेकिन गिल के साथ ये बात नहीं होगी। ऐसे में टीम में फूट पड़ने की संभावना भी बढ़ जाती है।